▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 276 ▸▸मुंबई, शनिवार, 13 दिसंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

शिंदे की शिकायत और दिल्ली दौरा

इस विवाद के दौरान रवींद्र चव्हाण द्वारा शिंदे की पार्टी में की गई राजनीतिक सेंध से हालात और बिगड़ गए। शिंदे ने इस पर फडणवीस से शिकायत की, परन्तु मनचाही प्रतिक्रिया न मिलने पर दोनों दलों के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यक्ष आरोप तेज हो गए। इसके बाद शिंदे ने दिल्ली जाकर अमित शाह को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया।

ठाणे की पुरानी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा

ठाणे में एकनाथ शिंदे और रवींद्र चव्हाण की पुरानी प्रतिद्वंद्विता जगज़ाहिर है। मुंबई-ठाणे बेल्ट पर अपना प्रभाव बढ़ाने की इच्छा भाजपा लंबे समय से रखती रही है। लेकिन शिवसेना विभाजन के बाद जहां उद्धव ठाकरे कमजोर पड़े, वहीं सत्ता का समर्थन मिलने से शिंदे का ठाणे में वर्चस्व और मजबूत हुआ। इस संतुलन को साधने के लिए भाजपा ने नवी मुंबई में गणेश नाइक और ठाणे में चव्हाण को प्रमुख भूमिका दी, परंतु मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति में पार्टी शिंदे को साथ रखना ही सुरक्षित विकल्प मान रही है।

शाह की शह, शिंदे का पलड़ा भारी

हम साथ-साथ हैं लेकिन...

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की महायुति सरकार में चल रहे राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एक बार फिर मजबूत स्थिति में उभरकर सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का स्पष्ट समर्थन मिलने से राज्य की राजनीतिक दिशा बदली है और सत्ता संतुलन शिंदे की ओर झुक गया है।

बेमन से ही सही, बीजेपी साथ लड़ेगी चुनाव

मुख्यमंत्री फडणवीस के बढ़ते प्रभाव पर ब्रेक

सूत्रों का मानना है कि राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए अमित शाह ने फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को पीछे हटने का संदेश दिया। इससे महायुति में 2019 जैसी साझेदारी की स्थिति दोबारा उभर रही है, जिसमें भाजपा को शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ ही आगे बढ़ना होगा।

स्थानीय निकाय चुनावों ने बढ़ाई कड़वाहट

2 दिसंबर को हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में महायुति के प्रमुख दल कई स्थानों पर एक-दूसरे के विरुद्ध मुकाबले में उतर गए। विपक्ष की कमजोर मौजूदगी के बीच मुख्य टक्कर शिवसेना (शिंदे गुट), भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजीत पवार गुट) के बीच रही, जिससे गठबंधन के भीतर तनाव और बढ़ गया।

दिल्ली से आया कड़ा संदेश

सूत्र बताते हैं कि बढ़ते विवाद और जनता के बीच बनी भ्रम की स्थिति को देखते हुए दिल्ली ने महाराष्ट्र भाजपा को शिंदे के साथ तालमेल बनाए रखने का निर्देश दिया। नागपुर के शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे पर फडणवीस, शिंदे, चव्हाण और अजीत पवार के बीच बैठक हुई, जिसके बाद फडणवीस को महायुति में किसी भी तरह के दल-प्रवेश पर रोक की घोषणा करनी पड़ी।

महायुति के रूप में चुनाव लड़ने पर अंतिम सहमति

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री शिंदे और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे के साथ हुई बैठक में तय हुआ है कि सभी स्थानीय निकाय चुनाव महायुति के रूप में लड़े जाएंगे। मुंबई सहित सभी महानगरपालिकाओं के लिए संयुक्त समितियाँ गठित की जाएंगी और सीट-बंटवारा स्थानीय स्थितियों और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखकर तय होगा। महायुति में भाजपा, शिवसेना (शिंदे), राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजीत पवार), आरपीआई और अन्य छोटे दल शामिल हैं।

ब्रीफ न्यूज़

सरपंच देशमुख हत्याकांड में 19 को आरोप तय करेगी कोर्ट

बीड। महाराष्ट्र के चर्चित सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में कोर्ट 19 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी। मामले की सुनवाई महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत बनी विशेष कोर्ट में चल रही है। केस में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बीते वर्ष दिसंबर में बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की अपहरण के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इसके बाद प्रदेश भर में आक्रोश फैल गया था। मामले को लेकर बीड से आने वाले महाराष्ट्र सरकार के मंत्री धनंजय मुंडे को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बताया कि आरोपी किशोर अब प्रेक्षण गृह से बाहर आ चुका है, जबकि उसकी मां जमानत पर है। उसके पिता समेत नौ अन्य आरोपी जेल में हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने गलत रिपोर्टिंग पर जताई चिंता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अदालत किसी भी तरह की पब्लिसिटी या नैरेटिव बिल्डिंग से प्रभावित नहीं होती, लेकिन विचाराधीन न्यायिक मामलों पर अधकचरी और विकृत रिपोर्टिंग जनमानस को भ्रमित करती है, जो गंभीर चिंता का विषय है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ उन व्यक्तियों की पुनर्वापसी से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी, जिन्हें आवश्यक प्रक्रिया का पालन किए बिना 27 जून को बांग्लादेश भेज दिया गया था। ये परिवार करीब दो दशक से दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे थे और उन्हें बांग्लादेशी होने के संदेह में 18 जून को हिरासत में लिया गया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि सुनाली खातून, जो गर्भवती हैं वह बेटे के साथ भारत लौट आए हैं। पीठ ने केंद्र सरकार की अपील पर सुनवाई के लिए 6 जनवरी की तारीख तय की, जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट

महाराष्ट्र में लागू होगा नया लोकायुक्त कानून

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार राज्य में नया लोकायुक्त कानून लागू करने की तैयारी कर रही है। इस कानून को पहले ही दोनों सदनों से मंजूरी मिल चुकी है और राष्ट्रपति भी इस पर हस्ताक्षर कर चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने इसमें तीन अहम बदलावों का सुझाव दिया था। इन बदलावों के साथ अब नया लोकायुक्त कानून राज्य में लागू होने जा रहा है। इसके लिए सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने लंबे समय से प्रदर्शन किया है। कानून को लागू किए जाने में लगभग दो साल की देरी हुई है। राज्य विधानमंडल ने केंद्र सरकार द्वारा सुझाए गए संशोधनों को मंजूरी दे दी है। यह कदम अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे की लगातार मांगों के जवाब में उठाया गया है, जिन्होंने अधिनियम के लागू न होने पर 31 जनवरी 2026 से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की घोषणा की थी। राज्य सरकार ने ऐसे लाभार्थियों से रकम की वसूली शुरू कर दी है।"

महाराष्ट्र में 3 साल में 14526 बच्चों की मौत

काल के गाल में नौनिहाल

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने शुक्रवार को विधानसभा को सूचित किया कि राज्य के सात जिलों में पिछले तीन वर्षों (2022-25) के दौरान 14,526 बच्चों की मौत दर्ज की गई है। यह डेटा भाजपा विधायक स्नेहा दुबे के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में साझा किया गया। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने विधानसभा में सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच राज्य के सात जिलों में कुल 14,526 बच्चों की मृत्यु दर्ज की गई। ये सात जिले हैं: पुणे, मुंबई, छत्रपति संभाजीनगर, नागपुर, अमरावती, अकोला और यवतमाल। मंत्री के अनुसार, इन आंकड़ों में सरकारी अस्पतालों में भर्ती पांच साल से कम उम्र के शिशु और बच्चों के साथ-साथ कुपोषण के मामले भी शामिल हैं। उन्होंने आदिवासी बहुल पालघर जिले का भी उल्लेख किया, जहां 138 शिशुओं की मृत्यु दर्ज की गई है।

कुपोषण की गंभीर स्थिति

राज्य स्वास्थ्य विभाग के नवंबर 2025 तक के आंकड़ों का हवाला देते हुए, आबिटकर ने कुपोषण की मौजूदा स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि कुल 203 बच्चों की पहचान गंभीर रूप से कुपोषित (एसएएम) के रूप में हुई है, जबकि 2,666 बच्चों की पहचान मध्यम कुपोषित (मॉडरेटली मैलनरिश्ड) के रूप में की गई है। कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 0.23 प्रतिशत दर्ज किया गया। हालांकि, मंत्री ने भारत के महापंजीयक द्वारा जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) 2022 का उल्लेख करते हुए बताया कि महाराष्ट्र में प्रति 1000 जीवित बच्चों पर मृत्युदर 11 है।

कुपोषण कम करने के लिए सरकार के प्रयास

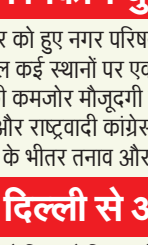

आबिटकर ने सदन को सूचित किया कि राज्य सरकार ने कुपोषण के मामलों को कम करने के लिए कई उपाय किए हैं। ये प्रयास एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में नियमित स्वास्थ्य जांच, गर्भवती महिलाओं के लिए डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम अमृत आहार योजना, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, और 'सुपोषित महाराष्ट्र' जैसी पहल शामिल हैं।

36 वर्षीय महिला हुई 21 बार गर्भवती

विधान परिषद में विपक्ष की सदस्य उमा खापरे, प्रवीण दरेकर, प्रसाद लाड आदि ने राज्य के दुर्गम मेलघाट क्षेत्र में बीते पाँच महीनों में शून्य से छह महीने के 65 बच्चों की कुपोषण से हुई मौतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने भी इस प्रकरण में सरकार की कड़ी आलोचना की है और संबंधित विभागों के प्रधान सचिवों को तलब किया है। यह मुद्दा 'आधे घंटे की चर्चा' के दौरान उठाया गया। दरेकर ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में 14 वर्षीय बच्ची की शादी की घटना सामने आई और उसका बच्चा कुपोषण का शिकार हुआ। राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर ने कहा कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं की मौत का कारण केवल कुपोषण नहीं बल्कि कई अन्य कारण भी हैं। मेलघाट आदिवासी क्षेत्र में अंधविश्वास बड़ी समस्या है, जहाँ यह मामला सामने आया कि एक 36 वर्षीय महिला 21 बार गर्भवती रही। उन्होंने दुर्गम इलाकों में जागरूकता अभियान की आवश्यकता बताई। बोर्डीकर ने बताया कि कुल 78 बच्चों की मृत्यु हुई, जिसमें से 49 मेलघाट और 29 अन्य क्षेत्रों के हैं। इन मौतों का कारण केवल कुपोषण नहीं, बल्कि बेहद कम वजन जैसे कई अन्य स्वास्थ्य कारण भी रहे।

लाडली बहिन योजना में 165 करोड़ की लूट

▸▸लूट में 'लाडले' भी शामिल; 12,431 पुरुष और 77,000 अपात्र महिलाओं ने लिया लाभ

सरकार ने शुरू की वसूली

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिती तटकरे ने विधानसभा में बताया कि लाडली बहन योजना में करीब 165 करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला सामने आया है। जांच में पाया गया कि 12 हजार से अधिक पुरुष लाभार्थियों ने खुद को 'लाडली बहन' बताकर योजना का फ़ायदा उठाया।

2100 रुपए कब मिलेंगे?

विधानसभा में एक सदस्य ने पूछा कि लाडली बहनों को 2,100 रुपये प्रतिमाह देने का किया गया वादा कब पूरा होगा। इस पर अदिती तटकरे ने बताया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि सही समय आने पर यह वादा भी पूरा किया जाएगा।

फर्जी दस्तावेज़ से योजना का लाभ उठाने वाले पकड़ में

मंत्री ने बताया कि 12,431 पुरुषों और 77,000 अयोग्य महिलाओं ने फर्जी कागजात की मदद से योजना की राशि ली। अकेले पुरुषों द्वारा 25 करोड़ रुपये, जबकि अयोग्य महिलाओं ने 140 करोड़ रुपये निकाले। सरकार ने अब इन सभी से रकम वापस वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सरकारी महिला कर्मचारियों ने भी लिया लाभ

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि 9,526 सरकारी महिला कर्मचारियों ने भी नियमों के विरुद्ध लाडली बहन योजना का लाभ लिया। सरकार ने इन कर्मचारियों से भी राशि वापस लेने और कार्रवाई की प्रक्रिया तेज कर दी है।

बंगाल एसआईआर

वोटर लिस्ट से 58 लाख+ नाम हटे

▸▸ममता की भवानीपुर सीट में 44 हजार नाम डिलीट

▸▸साउथ 24 परगना जिले से 8 लाख नाम कटे

एजेंसी । कोलकाता

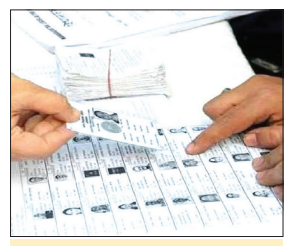

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के पहले फेज के बाद 58 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। सबसे ज्यादा नाम कोलकाता के चौरंगी और कोलकाता पोर्ट जैसे क्षेत्रों में कटे हैं, जबकि सुवेंदु अधिकारी की नंदीग्राम सीट की तुलना में सीएम ममता बनर्जी के भवानीपुर सीट में चार गुना अधिक नाम हटाए गए। भवानीपुर सीट पर जनवरी 2025 की लिस्ट में 1,61,509 वोटर्स थे। इसमें से 44,787 नाम हटाए गए। वहीं पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम जहां 2,78,212 वोटर थे, वहां से 10,599 नाम हटाए गए। जिलावार आंकड़ों में साउथ 24 परगना सबसे ऊपर रहा, जहां 8,16,047 नाम हटाए गए।

कोलकाता पोर्ट से 74 हजार नाम हटे

राज्य के 294 असेंबली एरिया में से सबसे ज्यादा नॉर्थ कोलकाता की चौरंगी विधानसभा क्षेत्र में 74,553 नाम हटाए गए। यहां से से तृणमूल MLA नयना बंद्योपाध्याय हैं। कोलकाता पोर्ट से कुल 63,730 नाम हटाए गए। इसका प्रतिनिधित्व सीनियर मंत्री फिरहाद हकीम करते हैं। वहीं मंत्री अरूप बिस्वास के टॉलीगंज में 35,309 नाम हटे। सबसे कम नाम बांकुरा जिले के कोतुलपुर से हटाए गए, जहां 5,678 नाम हटाए गए। अधिकारी ने बताया कि BJP के प्रमुख विधायकों के क्षेत्रों में नंदीग्राम से ज्यादा नाम कटे हैं।

बीएमसी को 'हाई' फटकार

▸▸बॉम्बे हाईकोर्ट ने कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड पर वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने में नाकाम रहने के लिए जताई नाराजगी

▸▸अदालत ने चीफ सेक्रेटरी की नेतृत्व वाली कमेटी को साइट पर जाकर निरीक्षण उपाय बताने का दिया निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड पर बढ़ते प्रदूषण को रोकने में नाकाम रहने पर बीएमसी को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि एयर क्वालिटी लगातार बिगड़ रही है और तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। कोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी की अगुवाई वाली कमेटी को साइट निरीक्षण और शॉर्ट-टर्म उपायों का ब्लूप्रिंट तैयार करने का आदेश दिया।

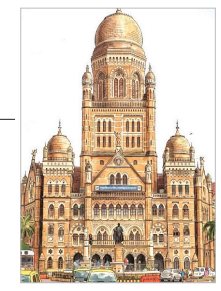

पहले दिए निर्देशों की अनदेखी

जुलाई में हाई कोर्ट ने डंपिंग ग्राउंड को शहर की सीमा से बाहर शिफ्ट करने का आदेश दिया था, लेकिन महीनों बाद सरकार ने केवल एक कमेटी बनाने की कार्रवाई की। अदालत ने कहा कि इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर इतनी देरी अस्वीकार्य है और सरकार को एक मजबूत और लागू होने योग्य योजना तुरंत बनानी चाहिए।

निवासियों का स्वास्थ्य संकट

वनशक्ति संस्था के वकील जमान अली ने दलील दी कि प्रदूषण कांजुरमार्ग के साथ-साथ भांडुप और विक्रोली तक फैल चुका है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में लोग सांस की बीमारियों से परेशान हैं। याचिका में इस साइट पर डंपिंग एक्टिविटी की अनुमति देने वाली एनवायरनमेंट क्लीयरेंस को भी चुनौती दी गई।

सरकार ने माना स्थिति गंभीर

सरकारी वकील ज्योति चव्हाण ने बताया कि कमेटी में राज्य के चीफ सेक्रेटरी, बीएमसी आयुक्त और अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हैं, जो सीधे डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को रिपोर्ट करेंगे। उन्होंने कहा कि तीन महीने में समस्या से निपटने के लिए विस्तृत ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा।

तुरंत कदम उठाएं: बॉम्बे हाईकोर्ट

पीठ ने कहा कि कमेटी में जिम्मेदार अधिकारी हैं। अदालत ने चेताया कि केवल ब्लूप्रिंट बनाने में तीन महीने न बर्बाद किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने भले ही साइट शिफ्टिंग पर रोक लगाई हो, लेकिन रोजाना होने वाले ऑपरेशन में प्रदूषण के खिलाफ तुरंत कार्रवाई जरूरी है, क्योंकि नागरिक लगातार शिकायतें कर रहे हैं।

मनरेगा का बदला नाम

▸▸पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना हुआ नाम

▸▸कैबिनेट से मिली मंजूरी

▸▸काम के दिन भी बढ़ाए

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार से जुड़ी देश की सबसे बड़ी योजना मनरेगा को नया रूप देने का फैसला कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलने वाला बिल मंजूर किया गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव ग्रामीण रोजगार और विकास को नई दिशा देने के लिए किया जा रहा है। मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्य काम की मांग कर सकते हैं। पंचायत स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। काम अलग-अलग तरह के होते हैं। जैसे तालाब बनाना, सड़क की मरम्मत, नाला खुदाई, बागवानी, मिट्टी कार्य और अन्य सामुदायिक काम। ग्रामीण क्षेत्रों में यह योजना रोजगार देने और आजीविका को सुरक्षित करने का बड़ा जरिया है।

क्यों बढ़ाए गए काम के दिन?

सरकारी सूत्रों के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में महंगाई और नौकरी की कमी को देखते हुए काम के दिनों को 125 करने का फैसला लिया गया है। सरकार चाहती है कि गांवों में रहने वाले परिवारों को अतिरिक्त काम मिले, ताकि उनकी आमदनी बढ़े और पलायन कम हो। बताया गया कि काम के दिनों की बढ़ोतरी से गांवों में मजदूरी का चक्र मजबूत होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था में गति आएगी।

नाम बदलने के पीछे का तर्क

सूत्रों का कहना है कि योजना का नया नाम 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' महात्मा गांधी की ग्रामीण स्वावलंबन की विचारधारा को दर्शाने के लिए रखा गया है। सरकार चाहती है कि गांधी के ग्राम स्वराज के सिद्धांत को रोजगार से जोड़ा जाए। हालांकि, योजना की संरचना वही रहेगी। बदलाव सिर्फ नाम और काम के दिनों के रूप में लागू किया जाएगा।

बिल को अब संसद में रखा जाएगा

कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब यह बिल संसद में पेश किया जाएगा। विधेयक पास होते ही कानून में बदलाव लागू हो जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि बिल के साथ योजना के नियमों में भी संशोधन होंगे, ताकि नए नाम और काम के दिनों को आधिकारिक रूप से लागू किया जा सके।

अवसान इंदिरा-राजीव के थे भरोसेमंद, मुंबई हमले की नैतिक जिम्मेदारी लेकर दिया था इस्तीफा

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल का निधन

डीबीडी संवाददाता । लातूर

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार को 90 की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने लातूर में सुबह 6.30 बजे अंतिम सांस ली। शिवराज पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। लातूर में उनके घर देवघर में उनका इलाज चल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाटिल का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। शिवराज के परिवार में उनके बेटे शैलेश, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं।

7 बार रहे सांसद

पाटिल लातूर लोकसभा सीट से 7 बार सांसद रहे। शिवराज को इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का विश्वासपात्र माना जाता था। वे 1980 के दशक में इंदिरा और राजीव की सरकारों में रक्षा मंत्री रहे। इसके अलावा वे 1991 से 1996 तक लोकसभा के 10वें अध्यक्ष रहे। 2004 से 2008 तक केंद्र में गृह मंत्री रहे।

समाज की भलाई में योगदान देने को हमेशा तैयार रहते थे पाटिल : पीएम

"पीएम मोदी ने शिवराज पाटिल के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि शिवराज पाटिल के गुजर जाने से दुख हुआ। वे एक अनुभवी नेता थे, जिन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में MLA, MP, केंद्रीय मंत्री, महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर और लोकसभा के तौर पर काम किया।

अंदर कर्मचारी बाहर लटका ताला

भाईंदर (प.) नगर भवन में तालाठी कार्यालय मिला बंद

112 पर शिकायत के बाद खुला ताला

विनय दुबे । भाईंदर

भाईंदर (प.) के नगर भवन में स्थित ग्राम लेखाकार (तलाठी) कार्यालय के बाहर लटके ताले को खुलवाने के लिए शिकायतकर्ता ने 112 पर कॉल किया। यह बेहद अजीब स्थिति थी—बाहर ताला लगा हुआ था, जबकि अंदर दो कर्मचारी मौजूद थे और ग्रामीण कार्यालय खुलने का इंतजार कर रहे थे। निजी कार्य से पहुंचे स्थानीय नागरिक व पत्रकार इरफ़ान सैयद ने जब यह स्थिति देखी तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। बीट मार्शल मौके पर पहुंचे और राजस्व अधिकारी के चालक को बुलाकर ताला खुलवाया। इस पूरे घटनाक्रम ने संबंधित विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजस्व अधिकारी के कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियाँ

सूत्रों के अनुसार, अमित मधाले इस क्षेत्र के राजस्व अधिकारी हैं, जिनके अधीन नगर भवन, भाईंदर-मुर्धा, राई और मोरवा गांव आते हैं। आरटीएस अधिनियम के तहत नागरिकों को दाखिल-खारिज, सातबारा उतारा जैसी सेवाएं निर्धारित समय-सीमा में मिलनी चाहिए। सरकारी कार्यालयों का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक तय होता है, जिसमें लंच ब्रेक भी शामिल है। इन प्रावधानों के बावजूद कार्यालय के बाहर ताला लटकना और भीतर कर्मचारी मौजूद होना नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

ग्रामीणों ने उठाए गंभीर सवाल

घटना के बाद उपस्थित ग्रामीणों ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि इस कार्यालय में अक्सर ताला लगा रहता है। सरकारी कामकाज के समय कार्यालय बंद रखना कानून का उल्लंघन है, और ऐसी कार्यशैली पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ जांच की मांग की जानी चाहिए।

पूर्व शिकायत का भी उल्लेख

शिकायतकर्ता इरफ़ान सैयद ने बताया कि इससे पहले भी उन्होंने 23 जनवरी 2025 को ठाणे जिलाधिकारी को मेल के माध्यम से शिकायत भेजी थी। शिकायत में कहा गया था कि राजस्व अधिकारी अकसर कार्यालय समय में ताला लगाकर चले जाते हैं, जिससे नागरिकों को परेशानी होती है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि अधिकारी जब भी बाहर जाएं, तो कर्मचारियों को इसकी पूर्व सूचना दें।

जांच की मांग, कार्रवाई पर निगाहें

इरफ़ान सैयद ने पूरे मामले की जानकारी तहसीलदार नीलेश गौड को देते हुए संबंधित अधिकारी के खिलाफ जांच की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है और विभागीय लापरवाही पर किस तरह की जवाबदेही तय की जाती है।

मुंबई में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा जीसीसी प्रोजेक्ट

45 हजार रोजगार होंगे सृजित: सीएम फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र ने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) का अंतरराष्ट्रीय हब बनने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है। ब्रुकफील्ड कंपनी मुंबई में करीब 20 लाख वर्गफुट क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा जीसीसी स्थापित करने जा रही है। इस परियोजना से 45,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने का अनुमान है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे राज्य की आर्थिक छलांग के रूप में वर्णित किया।

महाराष्ट्र बन रहा निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य

सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य की प्रतिभा, बेहतर अवसंरचना और उद्योग-हितैषी वातावरण के कारण महाराष्ट्र ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए शीर्ष पसंद बनता जा रहा है। नई जीसीसी नीति से रोजगार और आर्थिक वृद्धि दोनों को नई गति मिलेगी। वैश्विक लॉजिस्टिक्स कंपनी फेडेक्स ने भी मुंबई—नवी मुंबई एयरपोर्ट क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताई है।

जियो कन्वेंशन सेंटर में हाई-लेवल बैठक

जियो कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री फडणवीस ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, एएनएसआर के सीईओ विक्रम आहुजा और ब्रुकफील्ड के अंकुर गुप्ता के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें तकनीकी साझेदारियों, निवेश योजनाओं और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। राज्य के लिए बड़े पैमाने पर निवेश को आकर्षित करने के यह प्रयास महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के साथ एआई सहयोग पर जोर

मुख्यमंत्री ने माइक्रोसॉफ्ट के आगामी निवेश में महाराष्ट्र को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। सत्य नडेला ने माइक्रोसॉफ्ट एआई टूर के दौरान महाराष्ट्र सरकार के साथ विकसित 'क्राइम एआईओएस' प्लेटफॉर्म का प्रदर्शन किया। फडणवीस ने बताया कि एआई आधारित अपराध नियंत्रण मॉडल पूरे देश के लिए दिशा तय कर रहा है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सेवा वितरण के लिए 'एआई को-पायलट' विकसित करने पर भी चर्चा हुई। सत्य नडेला ने महाराष्ट्र द्वारा विकसित 'मार्बल' प्लेटफॉर्म की प्रशंसा की, जिसके जरिए साइबर और आर्थिक अपराधों का पता अब महीनों के बजाय मात्र 24 घंटे में लगाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

दरगाह से मोबाइल चोरी, मामला दर्ज

भिवंडी। आज़मी नगर स्थित दीवानशाह दरगाह में नमाज अदा करने आए युवक इमरान मोहम्मद अमीन मोमिन (32) की जेब से 30,000 रुपये का मोबाइल फोन चोरी हो गया। यह घटना 21 नवंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे हुई, जब नमाज समाप्त होने के बाद इमरान दरगाह से बाहर निकल रहे थे। अज्ञात व्यक्ति ने इस दौरान उनके पेंट की जेब से मोबाइल चोरी कर लिया और फरार हो गया। चोरी की जानकारी मिलने के बाद इमरान ने भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सांप के काटने से हुई महिला की मौत निकली हत्या, पति समेत चार पर मामला दर्ज

बदलापुर: 10 जुलाई 2022 को बदलापुर पूर्व में एक इमारत में सांप के काटने से हुई महिला की मौत, जिसे पहले आकस्मिक माना गया था, पुलिस जांच में हत्या की साजिश साबित हुई। मृतका नीरजा अंबरकर के पति रूपेश अंबरकर और उसके तीन दोस्तों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ऋषिकेश चालके ने अपराध की जानकारी दी और घटनास्थल पर प्रमाण भी पेश किए, जिसके बाद मामला दोबारा खोला गया। आगे की जांच में पता चला कि पति रूपेश ने जेल में बंद अपने साथियों चेतन दुधाने, कुणाल चौधरी और ऋषिकेश चालके के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की योजना बनाई थी। आरोप है कि इन सभी ने सांप का उपयोग कर नीरजा की हत्या की और बाद में इसे आकस्मिक मौत बताकर मामला दबाने की कोशिश की।

आवारा कुत्ते ने आठ लोगों को काटा

अंबरनाथ: शहर में आवारा कुत्तों की अनियंत्रित वृद्धि से नागरिकों में भय का माहौल है। अंबरनाथ पश्चिम के बालाजी नगर में एक आवारा कुत्ते ने आठ लोगों, जिनमें छात्र भी शामिल थे, को काट लिया, जिसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जनवरी से नवंबर 2025 के दौरान शहर में छह हजार से अधिक लोग कुत्तों के हमलों का शिकार हुए हैं, जिससे यह समस्या और गंभीर हो गई है। नगर परिषद ने समाधान के रूप में निर्धारित स्थानों पर ही कुत्तों को भोजन देने की योजना बनाई है और नसबंदी केंद्र हेतु निविदा भी जारी की है। शहर में करीब आठ हजार आवारा कुत्ते होने के कारण लगभग 600 चारागाह केंद्र विकसित करने का प्रस्ताव है, ताकि नागरिकों को परेशानी न हो और खुले में भोजन डालने पर रोक लग सके।

कोल्हापुर में जीडीएस सम्मेलन का आयोजन

कोल्हापुर। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया 13 दिसंबर 2025 को शाम 4 बजे महाराष्ट्र के कोल्हापुर में आयोजित होने वाले ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए वह ग्रामीण डाक सेवकों की भूमिका, जिम्मेदारी और देशभर में सेवा विस्तार में उनके योगदान पर प्रकाश डालेंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में भारतीय डाक की रीढ़ माने जाने वाले ग्रामीण डाक सेवकों की सेवा भावना, समर्पण और मेहनत का सम्मान करना है। ग्रामीण भारत में डाक, बैंकिंग और बीमा जैसी सेवाओं के विस्तार में जीडीएस की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। कार्यक्रम में डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे, जिनमें महानिदेशक डाक सेवा जितेंद्र गुप्ता, सुवेंदु कुमार स्वैन, अमिताभ सिंह, अभिजीत बंसोडे और रमेश पाटिल शामिल हैं।

मंत्री और ग्रामीण डाक सेवकों के बीच संवाद

सम्मेलन में गोवा व पुणे क्षेत्रों के 5500-6000 से अधिक ग्रामीण डाक सेवकों के जुटने की उम्मीद है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जीडीएस समुदाय से संवाद करेंगे और आधुनिक, तकनीक-सक्षम और नागरिक-केंद्रित डाक नेटवर्क के अपने दृष्टिकोण को साझा करेंगे। साथ ही वे ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी और वित्तीय सेवाएं बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए जीडीएस को प्रेरित करेंगे। इस सम्मेलन में डाक एवं पार्सल वितरण, नए डाक बचत खाते खोलने, पीएलआई-आरपीएलआई पॉलिसियों की बिक्री तथा विभिन्न सरकारी लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुँचाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष जीडीएस को सम्मानित किया जाएगा।

पेस्टिसाइड संचालन व खाद उपयोग पर अभ्यास कार्यक्रम

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट, ज़िला परिषद ठाणे, महाराष्ट्र सरकार और स्पेक्ट्रम इथर्स लिमिटेड की ओर से साथी पोर्टल, पेस्टिसाइड की सुरक्षित हैंडलिंग और स्प्रे तकनीक पर महत्वपूर्ण ट्रेनिंग बी. जे. हाई स्कूल में सफलतापूर्वक पूरी हुई। एग्रीकल्चरल सर्विस सेंटर चलाने वाले, क्वालिटी कंट्रोल इंस्पेक्टर और बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने इसमें बड़ी संख्या में भाग लिया।

साथी पोर्टल पर विस्तृत मार्गदर्शन

ट्रेनिंग में कैपेन ऑफिसर महेश बनकर ने पावरपॉइंट प्रस्तुति देकर बीज स्टोरेज, डिस्ट्रीब्यूशन, बिक्री और पोर्टल में एंट्री की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने रबी-खरीफ सीजन में बीज बिक्री के दौरान होने वाली आम समस्याओं और सावधानियों पर भी विस्तार से जानकारी दी।

डिजिटल सिस्टम मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण

एग्रीकल्चर कमिश्नर के आदेश पर आयोजित इस ट्रेनिंग का उद्देश्य ज़िले में एग्रीकल्चरल सर्विस सेंटरों के काम में डिजिटल सिस्टम को और बेहतर बनाना था। साथी पोर्टल के माध्यम से किसानों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने पर विशेष फोकस किया गया।

पेस्टीसाइड हैंडलिंग और सुरक्षा नियमों पर प्रशिक्षण

स्पेक्ट्रम इथर्स लिमिटेड के हेमंत सूर्यवंशी ने पेस्टीसाइड के सुरक्षित स्टोरेज, स्प्रे करते समय पीपीई किट के उपयोग, मौसम के प्रभाव और दुर्घटनाओं से बचाव जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया। वहीं, एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट ऑफिसर मुनीर बछोटिकर ने यूरिया और पेस्टीसाइड बिक्री के नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

लीफलेट वितरण और वेंडर्स को किट प्रदान

कार्यक्रम में 'पेस्टीसाइड स्प्रे के दौरान सावधानियां' और साथी पोर्टल की जानकारी वाली बुकलेट जारी की गईं। सभी उपस्थित वेंडर्स को स्प्रेइंग किट भी वितरित की गईं, जिससे वे किसानों तक सुरक्षित और मानक अनुसार सेवाएं पहुंचा सकें।

मुंबई मेट्रो लाइन-12

100वां यू-गर्डर सफलतापूर्वक लॉन्च

दीपक पवार । मुंबई

MMRDA द्वारा बनाई जा रही मुंबई मेट्रो लाइन-12 (कल्याण से तलोजा) प्रोजेक्ट ने एक और अहम पड़ाव हासिल किया है। शिलफाटा रोड, डोंबिवली MIDC मेट्रो स्टेशन के पास 100वां U-गर्डर सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है। यह कदम प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और इससे निर्माण कार्य में गति आने की उम्मीद है।

ट्रांज़िट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट और इंजीनियरिंग

कलवा से तलोजा कॉरिडोर ट्रांज़िट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट को भी बढ़ावा देगा। इस रूट में 7 किलोमीटर लंबा MSRDC फ्लाईओवर इंटीग्रेटेड स्ट्रक्चर शामिल है। इसके अलावा, प्रोजेक्ट में 100 मीटर के ओपन स्पैन, रेलवे और ROB क्रॉसिंग, और 21-23 मीटर ऊँचाई पर एलिवेटेड स्टेशन जैसे इंजीनियरिंग के जटिल कार्य शामिल हैं।

लंबाई और कनेक्टिविटी

यह एलिवेटेड मेट्रो रूट लगभग 23.57 किलोमीटर लंबा है और कल्याण, डोंबिवली, तलोजा के साथ-साथ नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक फैले 19 मेट्रो स्टेशनों के माध्यम से लोगों को तेज़ और ग्रीन ट्रांसपोर्ट की सुविधा देगा। इस प्रोजेक्ट से ठाणे और नवी मुंबई के बीच आसान, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा संभव होगी।

इंटरचेंज और कनेक्टिविटी

इस मेट्रो प्रोजेक्ट के ज़रिए यात्रियों को अन्य मार्गों और मेट्रो लाइनों से आसानी से जुड़ने की सुविधा मिलेगी। कलवा मेट्रो लाइन-5, हेडुटने मेट्रो लाइन-1, अमनदूत नवी मुंबई मेट्रो लाइन-1 और कलवा जंक्शन सेंट्रल रेलवे से यह प्रोजेक्ट सीधे FOB के माध्यम से कनेक्ट होगा। MMRDA का लक्ष्य इस प्रोजेक्ट को मई 2028 तक पूरा करना है।

अब तक की प्रगति और विशेष स्पैन

प्रोजेक्ट की प्रगति में कल्याण-मानपाड़ा सर्वे और अलाइनमेंट पूरा हुआ है। पहला पाइल, पियर कैप और U-गर्डर सफलतापूर्वक कास्ट और खड़ा किया गया। बैचिंग प्लांट पूरी क्षमता के साथ चालू है, और बड़े सेक्शन पर सिविल व पियर कंस्ट्रक्शन ज़ोरों पर है। पेट्रीपूल और अमनदूत इलाके में ज़मीन अधिग्रहण और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया भी जारी है। विशेष स्पैन के रूप में 54 मीटर (APMC कल्याण मार्केट), 56 मीटर (रीजेंसी अनंतम चौक), 65 मीटर (सेंट्रल रेलवे ROB, पेट्रीपूल), 75 मीटर (तलोजा ROB) और 100 मीटर (कोलेगांव, विरार से अलीबाग मल्टीमॉडल कॉरिडोर) शामिल हैं।

एमबीएमसी मुख्यालय में स्वास्थ्य जांच और सीपीआर प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा (एमबीएमसी) मुख्यालय में संबंधित विभाग द्वारा कर्मचारियों और शहर के पत्रकारों के लिए आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और सीपीआर प्रशिक्षण शिविर उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। एमबीएमसी अपने कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य को प्राथमिकता देती है और इसी उद्देश्य से समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है।

300 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया लाभ

एमबीएमसी और भारतीय चिकित्सा संघ के सहयोग से सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक चले इस स्वास्थ्य जांच शिविर और सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का 300 से अधिक कर्मचारियों और पत्रकारों ने लाभ उठाया। शिविर में हीमोग्लोबिन प्रतिशत, अस्थि खनिज घनत्व, रक्त शर्करा स्तर, रक्तचाप, ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन (पिछले तीन महीनों का औसत शर्करा माप), रक्त लिपिड/कोलेस्ट्रॉल, शारीरिक संरचना विश्लेषण और यकृत फाइब्रोसिस जैसे प्रमुख परीक्षण किए गए। प्रतिभागियों को चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन और निःशुल्क परामर्श भी प्रदान किया गया।

आयुक्त ने भी शिविर का लाभ लिया

एमबीएमसी आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा ने भी शिविर में स्वास्थ्य जांच कराई और कहा कि अच्छा स्वास्थ्य सभी के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कर्मचारियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

15 चोरी की गाड़ियां जब्त

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शहर की ट्रैफिक पुलिस ने 1 जनवरी 2025 से 9 दिसंबर 2025 तक चलाए गए विशेष ऑपरेशन में 15 चोरी की गाड़ियां जब्त की हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस दौरान एक लग्ज़री ऑडी कार और महंगी हार्ले डेविडसन बाइक भी पुलिस की गिरफ्त में आई। गिरफ्तार गाड़ी चोरों को संबंधित थानों को सौंप दिया गया। यह ऑपरेशन ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के 35 थानों और 18 ट्रैफिक सेल के तहत संचालित किया गया।

गाड़ियों की नियमित जांच

ठाणे, डोंबिवली, कल्याण, विट्ठलवाड़ी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर और भिवंडी शहर के एरिया में ट्रैफिक पुलिस समय-समय पर वाहनों की जांच करती रहती है। नियम तोड़ने वाले ड्राइवरों पर कार्रवाई के साथ ही चोरी या फर्जी दस्तावेज वाली गाड़ियों को भी पकड़ने का काम किया जाता है। इस साल पुलिस ने कुल 15 चोरी की गाड़ियां जब्त की हैं, जिनमें एक ऑडी कार, एक हार्ले डेविडसन, 10 टू-व्हीलर और चार ऑटो रिक्शा शामिल हैं।

चोरी हुई हार्ले डेविडसन का मामला

13 नवंबर 2025 को उल्हासनगर इलाके में जांच के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने एक महंगी हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल जब्त की। बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्धों ने पुलिस पर मोटरसाइकिल चढ़ाकर भागने की कोशिश की। पुलिस ने चेसिस नंबर से बाइक और मालिक की पहचान की, जो मुलुंड के कुणाल केनी की थी। इस मामले में बाइक को नवघर पुलिस स्टेशन को सौंपा गया और संदिग्धों पर कार्रवाई की गई।

मनपा इंजीनियरों ने रोका सड़क-गटर मरम्मत कार्य

पूर्व नगरसेवक ने दी आंदोलन की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा के वार्ड क्रमांक 22 में लंबे समय से सड़क और गटर मरम्मत कार्य बंद होने से नागरिकों में नाराज़गी बढ़ गई है। पूर्व नगरसेवक व भाजपा नेता श्याम अग्रवाल ने आरोप लगाया कि इंजीनियरों ने जानबूझकर यह काम रोक रखा है। उन्होंने बताया कि कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और गटर व नालों की सफाई न होने के कारण बरसात में पानी जमा हो जाता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। अग्रवाल ने मनपा आयुक्त और संबंधित विभाग को ज्ञापन देकर चेतावनी दी कि अगर तीन दिनों के भीतर मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे नागरिकों के साथ आंदोलन करेंगे।

प्रशासनिक उदासीनता पर तीखी टिप्पणी

अग्रवाल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कई बार लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। गड्ढों और जाम गटरों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है, वहीं उठती बदबू नागरिकों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों को जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है। इस मामले में मनपा के इंजीनियर हरेश म्हात्रे से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल का जवाब नहीं दिया। अग्रवाल ने प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र की हालत को देखते हुए तुरंत मरम्मत कार्य शुरू किया जाए ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

किशोरी की गुमशुदगी का मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका के एक गांव क्षेत्र से 17 वर्ष 8 महीने की किशोरी लापता हो गई। परिजनों ने बताया कि किशोरी सुबह अपनी सहेली के साथ पोगांच जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन निर्धारित समय तक वापस नहीं लौटी। परिवार ने आसपास के स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना निजामपुर पुलिस थाना को दी गई, जिसने तुरंत गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। सुरक्षा कारणों से किशोरी की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पुलिस अपहरण का केस दर्ज कर तलाश में जुटी

सूचना मिलते ही पुलिस ने क्षेत्र में जांच शुरू की और संभावित स्थानों पर पड़ताल शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस टीम विभिन्न कोणों से मामले की जांच में जुटी है। परिवार ने बताया कि किशोरी की गुमशुदगी अचानक हुई है और इससे पहले कोई असामान्य स्थिति नजर नहीं आई थी। मामले की आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक बडगिरे कर रहे हैं।

मुंबई में वायू प्रदूषण स्रोत खोजें : कदम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (MPCB) के चेयरमैन सिद्धेश कदम ने कंटीन्यूअस एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों के निरीक्षण के दौरान कहा कि—"मुंबई में वायु प्रदूषण के वास्तविक स्त्रोतों की पहचान बेहद ज़रूरी है, तभी प्रभावी नियंत्रण संभव है।" ठाणे के कोपरी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा करने के बाद उन्होंने यह बात कही।

कदम ने मलाड-मालवणी स्थित एपीजे अब्दुल कलाम पार्क में चल रहे एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन का निरीक्षण किया और देखा कि मापन से जुड़े सभी तकनीकी हिस्सों की कैलिब्रेशन सही है या नहीं। MPCB, IITM और BMC मिलकर पूरे मुंबई में कंटीन्यूअस एयर मॉनिटरिंग सिस्टम चला रहे हैं। बोर्ड शहर के सभी स्टेशनों की तकनीकी गुणवत्ता की जांच करेगा।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में सुधार की सलाह

ठाणे के कोपरी STP का दौरा करते हुए कदम ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की इस पहल की सराहना की कि ट्रीटेड पानी निर्धारित सीमा में ही छोड़ा जा रहा है और टेस्टिंग के लिए पानी में मछलियां भी रखी गई हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि प्लांट की कैपेसिटी 120 MLD तक बढ़ाई जाए और ट्रीटेड पानी को रीसायकल करने के लिए सर्कुलर इकॉनमी मॉडल अपनाया जाए।

प्रदूषण बढ़ाने वाली वजहों पर सर्वे की जरूरत

निरीक्षण के दौरान कदम ने कहा कि जिन इलाकों में AQI मॉडरेट या खतरनाक स्तर पर है, वहां प्रदूषण बढ़ाने वाली वजहों का विस्तृत सर्वे होना बेहद आवश्यक है। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि किस क्षेत्र में किस प्रकार का प्रदूषण स्रोत सबसे अधिक सक्रिय है।

MMR में प्रदूषण पर लगातार निगरानी

कदम ने बोरीवली नेशनल पार्क सहित उपवन क्षेत्र में स्थित एयर क्वालिटी स्टेशनों की जांच की अपील की और प्रदूषण के कारणों को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। MPCB और संबंधित म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने कहा है कि मुंबई और पूरे MMR क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर सतत निगरानी रखी जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

सनबर्न फेस्टिवल को लेकर महाराष्ट्र डीजीपी को नोटिस

मुंबई। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) को एक नोटिस जारी किया। इन आरोपों पर कि मुंबई में प्रस्तावित सनबर्न फेस्टिवल में शामिल होने वाले युवाओं की हेल्थ और सेफ्टी को गंभीर खतरा हो सकता है, क्योंकि इस इवेंट का पहले ड्रग्स के सेवन, क्रिमिनल एक्टिविटी और एनडीपीएस एक्ट के तहत उल्लंघन से संबंध रहा है। एनएचआरसी के सदस्य प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता वाली एक बेंच ने एक शिकायत पर संज्ञान लिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि मुंबई, जो पहले से ही ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क के लिए असुरक्षित है, में म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान नशीले पदार्थों का सर्कुलेशन बढ़ सकता है। शिकायतकर्ता के अनुसार, फेस्टिवल के पिछले एडिशन, जिनमें गोवा में हुए एडिशन भी शामिल हैं, में ड्रग्स लेने और उससे जुड़ी आपराधिक गतिविधियों की घटनाएं देखी गई थीं। शिकायत में एनएचआरसी से दखल देने और अधिकारियों को सख्त निगरानी सिस्टम लागू करने का निर्देश देने की अपील की गई, जिसमें जरूरी ड्रग स्क्रीनिंग, सीसीटीवी निगरानी बढ़ाना, नाबालिगों के वेन्यू में आने पर रोक, ड्रग बेचने वालों के खिलाफ रोकथाम की कार्रवाई, टॉयलेट में सुरक्षा बढ़ाना और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की सख्त जांच शामिल है।

आदित्य ठाकरे के रहते हुए भास्कर जाधव कभी नहीं बनेंगे विरोधी पक्ष नेता : सामंत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

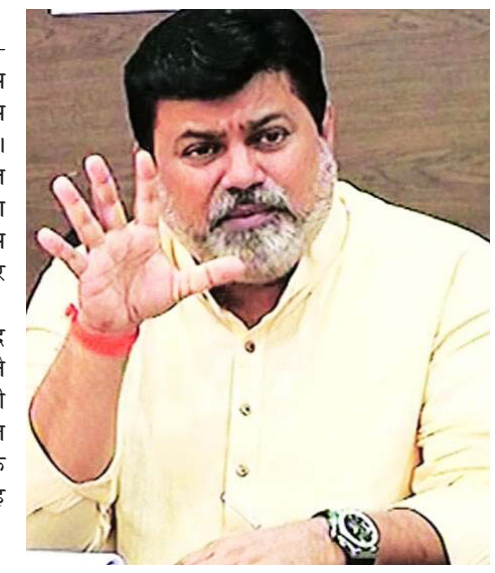

महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही बहस के बीच शिवसेना मंत्री उदय सामंत ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उद्धव ठाकरे पर तीखा पलटवार किया। सामंत ने पूछा कि क्या उद्धव ठाकरे में इतनी हिम्मत है कि वे कांग्रेस के उपमुख्यमंत्रियों से इस्तीफा मांग सकें? उन्होंने आरोप लगाया कि उद्धव बार-बार प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर जनता में भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

सामंत ने कहा कि उद्धव ठाकरे का यह दावा बेबुनियाद है कि उपमुख्यमंत्री का पद असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक कई राज्यों में उपमुख्यमंत्री रहे हैं, जिनमें कांग्रेस शासित राज्यों के नाम भी शामिल हैं। सामंत ने पूछा— "क्या उद्धव ठाकरे कांग्रेस के उपमुख्यमंत्रियों से भी इस्तीफा मांगेंगे?" उन्होंने सलाह दी कि उद्धव बेवजह बदनामी फैलाना बंद करें।

ईवीएम विवाद पर उद्धव को घेरा

ईवीएम पर लगातार सवाल उठाने वाले उद्धव ठाकरे पर सामंत ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव ईवीएम से ही हुए थे और उद्धव के उम्मीदवार भी इसी मशीन से जीतकर आए। सामंत बोले—"जब अपने पक्ष में नतीजे आए तो ईवीएम ठीक, और विरोध में आए तो खराब—यह कैसी राजनीति है?"

विपक्ष के नेता चयन पर भी टिप्पणी

उदय सामंत ने स्पष्ट किया कि विधानसभा में विरोधी पक्ष नेता का फैसला अध्यक्ष का अधिकार है, न कि किसी दल का। उन्होंने कहा कि भास्कर जाधव को विपक्ष का नेता नहीं बनाया जाएगा, और आगामी शीतकालीन सत्र में भी वे इस पद पर नहीं रहेंगे। विदर्भ राज्य मुद्दे पर सामंत ने कहा कि उनकी भूमिका वही है जो बालासाहेब ठाकरे की थी। उन्होंने दावा किया कि नागपुर और गडचिरोली तेजी से विकास की राह पर हैं। वहीं, नवाब मलिक मामले पर सामंत ने कहा कि यदि किसी मुद्दे पर भाजपा सही भूमिका लेती है, तो शिवसेना भी उसका समर्थन करेगी।

शीतकालीन अधिवेशन को लेकर सत्ता पक्ष गंभीर नहीं : हर्षवर्धन सपकाल

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

नागपुर के शीतकालीन अधिवेशन को मात्र एक सप्ताह का रखने पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सरकार पर विदर्भ करार का सीधा अनादर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर, बेरोजगार, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और महिलाओं की सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही, जबकि कुत्ते पकड़ने या तेंदुए छोड़ने जैसे हल्के विषयों पर समय खर्च हो रहा है। उनके अनुसार सत्ता पक्ष के लिए अधिवेशन का अब कोई महत्त्व नहीं रह गया है।

नेता प्रतिपक्ष पद पर सरकार की नीयत पर सवाल

नेता प्रतिपक्ष पद पर बोलते हुए सपकाल ने कहा कि यदि 10 प्रतिशत सदस्य संख्या ही मानक है, तो ऊपरी सदन में यह संख्या मौजूद होने के बावजूद नेता प्रतिपक्ष की घोषणा क्यों नहीं की जा रही? उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं और संकेतों का पालन न करके सरकार 'हम करें सो कायदा' की पद्धति अपना रही है। सपकाल के अनुसार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लोकतांत्रिक मर्यादा का सम्मान करना चाहिए !

'भ्रष्टाचार ही सरकार का मंत्र'

सपकाल ने आरोप लगाया कि महायुति सरकार के दौर में भ्रष्टाचार चरम पर है और हर दिन नए मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' से शुरू हुई यात्रा अब 'मिल-बांटकर खाएंगे' पर आकर रुक गई है। राज्य के भ्रष्टाचार पर श्वेतपत्र और विस्तृत चर्चा की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि गंभीर बहस के दौरान भी सत्ता पक्ष के सदस्य मजाक करते रहते हैं। उनके अनुसार लोकतंत्र का मजाक बन गया है और सत्ता पक्ष के ही कुछ सदस्य भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष पद के लिए विधान सभा अध्यक्ष से मिले उद्धव ठाकरे

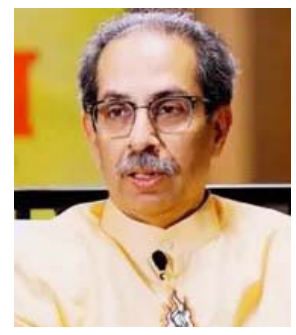

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को पार्टी विधायकों के साथ नागपुर में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और विधान परिषद सभापति राम शिंदे से मुलाकात की। यह मुलाकात दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति को लेकर की गई। अध्यक्ष और सभापति से मुलाकात के बाद उद्धव ठाकरे ने विधान भवन परिसर में कहा कि शीतकालीन सत्र अपने आखिरी चरण में पहुंच चुका है, लेकिन सरकार ने अब तक दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त नहीं किया है। ठाकरे ने बताया कि पिछली बार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद के लिए भास्कर जाधव का नाम पत्र के माध्यम से दिया गया था।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई-निविदा सूचना

निविदा सं. :- BSL-L-W-T-64-2025 :- कार्य का विवरण : निम्नलिखित के संबंध में विद्युतीकरण कार्य भाग ए - नासिक रोड : नासिक रोड पर PF नंबर 4 पर प्लेटफॉर्म पर कवर (COP) का प्रावधान (350.00M X 10.00m = 3500 वर्ग मीटर) । भाग बी - नासिक रोड स्टेशन पर PF नंबर 2/3 CSMT छोर पर COP के विस्तार का प्रावधान (क्षेत्रफल = 130M x 14M = 1820 वर्ग मीटर); भाग सी - नासिक स्टेशन : गुड्स शेड लैडर को शिफ्ट करके PF-1 को 22 से 24 कोच की लंबाई तक बढाने के लिए प्रस्तावित यार्ड रीमॉडलिंग । **2) अनुमानित लागत:** रु. 3,29,03,773; **3) ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय :** 31/12/2025 को 15:00 बजे, **4) वेबसाईट विवरण: - https:// www.ireps.gov.in**

Apex-19 **व.मं.बि.इं. (सा.) भुसावल**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे
वार्षिक रख-रखाव अनुबंध

मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल एवं दूरसंचार), मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400008 **निविदा संख्या: SG623/1783/WA-R2 दिनांक 11.12.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम: चर्चगेट–विरार सेक्शन के विभिन्न स्टेशनों पर स्थापित टेलीटेक मेक के उपनगरीय ट्रेन इंडिकेटर्स के व्यापक वार्षिक रख-रखाव अनुबंध (CAMC) का कार्य — अवधि 04 वर्ष। कार्य की लागत: 20,32,031.63 बिड सुरक्षा (EMD): 40,700/- ई-निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 02.01.2026, अपराह्न 15:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 02.01.2026, अपराह्न 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** 0887

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
मापने वाले उपकरणों का अंशशोधन (कैलिब्रेशन)

डिविजनल रेलवे मैनेजर (रोलिंग स्टॉक), EMU कारशेड, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे, मुंबई – 400034 , **ई-निविदा सूचना संख्या: DRM/RS/2025-26/11,दिनांक: 09.12.2025 आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम:** EMU कारशेड BCT, KILE एवं लाइन में मापने वाले उपकरणों का अंशशोधन (कैलिब्रेशन) – अवधि 03 वर्ष। **कार्य की अनुमानित लागत:** 13,61,625.60 EMD (बोली सुरक्षा जमा): 27,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 02.01.2026, दोपहर 15:00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 02.01.2026, दोपहर 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** 0882

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

विधानभवन में झड़प मामले में कार्रवाई

विधायक पडलकर-आव्हाड के समर्थकों को 2 दिन की सिविल कस्टडी

मुंबई/नागपुर। महाराष्ट्र विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने सदन के मानसून सत्र के दौरान हुई झड़प पर कड़ा रुख अपनाया है। समिति ने शुक्रवार को दो प्रतिद्वंद्वी विधायकों के समर्थकों को दो दिन की 'सिविल कस्टडी' और 2029 तक विधान भवन परिसर में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। समिति के अध्यक्ष और शिवसेना विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने विधानसभा को इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'सिविल कस्टडी' का अर्थ ऐसी हिरासत से है, जिसमें व्यक्ति को अपराधी की तरह जेल में नहीं डाला जाता, बल्कि उसे नियंत्रित निगरानी या अभिरक्षा में रखा जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि अनुशासनात्मक या प्रशासनिक कार्रवाई करना होता है। समिति ने कार्रवाई को अंतिम रूप देने से पहले तथ्यों और घटनाक्रम की पुष्टि की।

2029 तक विधानसभा परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित

समिति ने अपनी सिफारिश में एक अत्यंत कड़ा कदम उठाते हुए नितिन देशमुख और सरजेराव टकले के विधानसभा परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। यह प्रतिबंध राज्य विधानसभा के शेष कार्यकाल यानी 2029 तक के लिए लागू रहेगा। इसका मतलब है कि ये दोनों समर्थक मुंबई और नागपुर दोनों विधानसभा परिसरों में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। पिछले सदन में भोंडेकर द्वारा पेश की गई घटना संबंधी रिपोर्ट के अनुसार, यह हाथापाई मानसून सत्र के दौरान विधानसभा लॉबी में हुई थी।

कौन हैं वे दो समर्थक जो विवाद में आए?

विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट में जिन दो समर्थकों का उल्लेख किया गया है, वे नितिन देशमुख और सरजेराव टकले हैं। देशमुख, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक हैं। वहीं, टकले भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थक बताए गए हैं। घटना संबंधी रिपोर्ट तब पेश की गई जब राज्य विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस समय महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी नागपुर में चल रहा है।

क्या है मामला?

बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर को लेकर नारेबाजी की थी। इसके बाद दोनों के बीच माहौल गर्म हो गया था। यह मामला अब मारपीट तक पहुंच गया है। विधान भवन परिसर के अंदर बीजेपी विधायक गोपीचंद पडलकर और शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड के समर्थकों के बीच झड़प हो गई थी। इससे पहले पडलकर और आव्हाड में भी तीखी बहस हुई थी।

जनप्रतिनिधियों को जनता के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए: शिंदे

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का पहला कर्तव्य जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देना है। उन्होंने सुझाव दिया कि जरूरत पड़ने पर कानून की जटिलताओं में उलझने के बजाय संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों का उपयोग करते हुए आवश्यक कानूनी संशोधन करने की तत्परता रखनी चाहिए। यह वक्तव्य उन्होंने विधान परिषद सभागार में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दिया, जिसका विषय था—'जनप्रतिनिधियों की अपने निर्वाचन क्षेत्रों के प्रति जिम्मेदारी और संवैधानिक मंच का उपयोग'। इस अवसर पर विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे और विधानमंडल की सचिव मेघना तलेकर भी उपस्थित थीं, जिन्होंने कार्यक्रम को महत्व प्रदान किया।

मध्य रेल
विद्युत कार्य

ई निविदा सूचना क्रमांक : एलसीएफ/डीआर/जीएस/484/2025/3आर, दिनांक : 09.12.2025 उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण) दादर, तिलक ब्रिज के पास, पश्चिम रेलवे के प्लेटफॉर्म नंबर 5 के सामने, दादर (पश्चिम) मुंबई - 400 028, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये प्रतिष्ठीत ठेकेदारो से क्रिस वैबसाईट पर ऑनलाईन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम तथा स्थान:** मध्य रेल, मुंबई मंडल के अंतर्गत कुर्ला-सीएसएमटी पाँचवी-छठी लाइन कार्य के संबंध में विभिन्न सेवा भवनों एवं प्लेटफॉर्मों का विद्युतीकरण एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, केबल अवरोधों को हटाना एवं केबलों का पुनः बिछाना, पंपों की व्यवस्था, वातानुकूलन, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य संबध्द विद्युत कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. **21,99,09,596.50** (इक्कीस करोड़ निन्यानवे लाख नौ हजार पांच सौ छियानवे रुपये और पचास पैसे मात्र) **जमा कराये जाने वाली बयाना राशि:** रु. **12,49,600/-** (रुपये बारह लाख उनचास हजार छह सौ रुपये मात्र) अथवा वेबसाइट **ireps.gov.in** द्वारा दि गए निर्देशों के अनुसार **निविदा पत्रक की लागत:** 00 (शून्य)। **कार्य पूर्ण करने का अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी होने के दिन से बारह (12) महीना तक (मानसून सहित) । **ऑफर की वैधता:** निविदा खुलने के 90 (नब्बे) दिन तक। **पूरी जानकारी के लिए वैबसाइट, नोटिस बोर्ड का स्थान:** निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज़ क्रिस कि वैबसाइट पता **ireps.gov.in** से देखे जा सकते हैं। **निविदा भरने की तारीख तथा समय:** दिनांक 31-12-2025 समय 15:00 बजे तक या पहले। **निविदा खोलने तारीख तथा समय:** दिनांक 31-12-2025 समय 15:00 बजे के बाद को खोली जाएगी। **नोट :** संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि इलेक्ट्रॉनिक रुप के उनके प्रस्तावों को निविदा भरने से पहले, नियम और शर्तो, पात्रता मानदंड, ईएमडी और निविदा दस्तावेज की लागत जमा करने के तरीके के संबंध में निविदा विवरण के क्रिस के वेबसाइट **ireps.gov.in** का संदर्भ लेना चाहिए।

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण) दादर

Apex-714

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
शिक्षण विभाग

(शिक्षण अधिकारी का कार्यालय, त्रिवेणी संगम नगरपालिका विद्यालय भवन, प्रथम मंज़िल, महादेव पळव मार्ग, करी रोड, मुंबई-400012)

क्र. EO/EOT/844, दिनांक : 12.12.2025

ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: 2025_MCGM_1258958_1

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के शिक्षण विभाग द्वारा प्रतिष्ठित एवं पात्र निविदाकारों से "**बृहन्मुंबई महानगरपालिका के शिक्षण विभाग के अधिकारियों/कार्यालयीन कर्मचारियों के लिए विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति**" के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

ईएमडी (रु.)	ऑनलाइन निविदा डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि व समय	प्री-बिड बैठक की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा वैधता अवधि
1,60,000/-	12.12.2025, शाम 05:00 बजे	16.12.2025, प्रातः 11:30 बजे	26.12.2025, शाम 04:00 बजे तक	180 दिन

अन्य सभी विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध हैं, जो (https://mahatenders.gov.in/nicgep/app) पर देखे जा सकते हैं। परिपत्र क्रमांक CA/FRG/09 दिनांक 04.10.2024 के अनुसार, जिन निविदाकारों ने अपनी बोली जमा की है, उन्हें निविदा शुल्क 14,520/- + 2,613.60 (18% GST) = कुल 17,133.60/- का भुगतान करना अनिवार्य है।

हस्ता/-
शिक्षण अधिकारी
बृहन्मुंबई महानगरपालिका

पीआरओ/2642/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
मुख्य अभियंता (यांत्रिक एवं विद्युत) विभाग

क्रमांकः E.E.MECH/4173/REF/दि.12.12.2025

ई - निविदा सुचना

विषयः 'आर/दक्षिण' एवं 'आर/उत्तर' वार्ड में ए.सी. यूनिट्स की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग (SITC) का कार्य। निविदा क्रमांकः E.E. Mech./Ref./T-71 दि. 13.12.2025

बोली नं.:	2025_MCGM_1256707_1
बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय	13.12.2025, प्रातः 11:00 बजे
बोली समाप्ति दिनांक एवं समय	19.12.2025, सायं 04:00 बजे
वेबसाइट	http://portal.www.mcgm.gov.in
संपर्क अधिकारी	श्री ए. के. जाम्भोरे
मोबाइल नं.	9930128387
ईमेल	eemechref.me@mcgm.gov.in

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता
(यांत्रिक – रेफ्रिजरेशन

पीआरओ/2628/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

नाम परिवर्तन

"मैं रैंक नायक राजीब रक्षित आर्मी नं: 15224830L गांव - दुबराजपूर, तहसील-छातना, जिल्हा- बांकुरा, राज्य - पश्चिम बंगाल, मै घोषित करता हुँ की मेरे बच्चे का नाम आर्मी रेकॉर्ड में गलत तरीके से सुरजा रक्षित दर्ज हो गया है। जबकि उसका सही नाम सुर्या रक्षित है।"

पश्चिम रेलवे
विभिन्न कार्य

Sr.DEN (South) MMCT निम्नलिखित निविदाएँ आमंत्रित करता है: **क्रमांक 01 निविदा सूचना क्रमांक: BCT/25-26/276 दिनांक 10.12.2025 कार्य एवं स्थान: Churchgate–Virar सेक्शन में केंद्रीय/साइड नालों, मैनहोल आदि की डी-सिल्टिंग का कार्य, जिसमें JCB, पेवमेंट ब्रेकर और पॉकलेन मशीन की हायरिंग शामिल है—SSE (P.Way) बोरीवली एवं भायंदर सेक्शन के अंतर्गत, वर्ष 2025 से 2026 तक। अनुमानित लागत:** 82,76,300/- EMD: 1,65,500/- **क्रमांक 02 निविदा सूचना क्रमांक: BCT/25-26/277 दिनांक 10.12.2025 कार्य एवं स्थान:** Mumbai Central (CFO Yard) – पिट लाइन नं. 5 एवं 6 का विस्तार (60 मीटर द्वारा) तथा कवरशेड और अन्य संबद्ध सुविधाओं का कार्य। **अनुमानित लागत:** 96,29,064.97 EMD: 1,92,600/- **दोनों निविदाओं के लिए ऑनलाइन निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** 06.01.2026, दोपहर 15:00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 06.01.2026, दोपहर 15:30 बजे अधिक विवरण हेतु वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** 0884

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विद्युत (पावर) कार्य

Sr.DEE/P/BCT निम्नलिखित **ई- निविदा सूचना संख्या: EL-81-933-WA-65 दिनांक: 08.12.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:उधना–उकाई सोनगढ सेक्शन में विभिन्न RUB पर सीपेज, वर्षा जल निकासी एवं जलभराव से बचाव हेतु अप्रोच वॉल, सड़कें, मिट्टी कार्य, ग्राउटिंग आदि से संबंधित विद्युत (पावर) कार्य, ADEN–व्यारा, अनुभाग के अंतर्गत। कार्य की अनुमानित लागत:** 23,90,617/- ईएमडी: 47,800/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 07.01.2026, दोपहर 15.00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 07.01.2026, दोपहर 15.30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर विजिट करें। 0880

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

मध्य रेल
निविदा सूचना

निविदा सूचना No. CWE/MTN/85257341/2025 due on 19/01/26 निविदा विवरण: ड्राइंग संख्या LW03002 ALT-F MDTS-213, REV.-04 के अनुसार एलएचबी एसी कोच के लिए बोगी फ्रेम असेंबली । **मात्रा:** 50 Nos. **नियत तारीख:** 19.01.2026. **राशि:** Rs. 1,48,09,000/-

APEX-709 **AMM(CWE)MTN**

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

संपादकीय

बचे बचपन

पश्चिमी देश, जिस सोशल मीडिया के गुणगान करते नहीं अघाते थे, अब उन्हें इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझ में आने लगी है। सुगबुगाहट तो ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक प्रतिबंधों को लेकर हो रही है, लेकिन इस दिशा में पहल करने का साहस आस्ट्रेलिया ने सुधारवादियों के दबाव में उठाया है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे बड़ी तकनीकी कंपनियों के अधिकार इसलिए वापस ले रहे हैं ताकि बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता की मानसिक शांति के अधिकार की रक्षा हो सके। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। साथ ही आस्ट्रेलिया के बच्चों को बचपन जीने का मौका देगा। आज दुनिया के तमाम देश मंथन कर रहे हैं यदि आस्ट्रेलिया यह पहल कर सकता है तो वे क्यों नहीं कर सकते। इनमें वे तमाम अभिभावक भी शामिल हैं जो अपने बच्चों की आत्महत्या के लिये सोशल मीडिया को जिम्मेदार मानते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में यदि सोशल मीडिया मंच 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट हटाने में असफल रहते हैं, तो उन्हें करीबन पांच करोड़ आस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना चुकाने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है। आस्ट्रेलियाई सरकार क्रिसमस तक मूल्यांकन करेगी कि ये प्रतिबंध कितने कारगर साबित हुए हैं। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया की पहल ने पूरी दुनिया में सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखने की मुहिम को नई ऊर्जा दे दी है। कमोवेश, भारत जैसे देश भी सोशल मीडिया की असामाजिकता का दंश झेल रहे हैं। इसमें बच्चों के साथ ऑनलाइन बुलिंग से लेकर ऑनलाइन ठगी तक के तमाम मामले गाहे-बगाहे सामने आते रहते हैं। विडंबना है कि आज सोशल मीडिया पर प्रसारित वयस्कों की सामग्री से बच्चे जाने-अनजाने में परिचित हो रहे हैं। वे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं। जिससे समाज में तमाम तरह की सामाजिक विकृतियां पैदा हो रही हैं। निस्संदेह, इससे आने वाले समय में घातक सामाजिक विद्रूपताएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल, बच्चों के लगातार घंटों कथित सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से उनमें तमाम शारीरिक व मानसिक विसंगतियां पैदा हो रही हैं। उन्हें संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले निहित स्वार्थी तत्व दे रहे हैं। जो कि भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के घातक प्रभाव के चलते आज बच्चों के नायक बदल गए हैं। उनके आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने किशोरों में ब्रह्मचर्य के भारतीय मूल्यों को ताक पर रख दिया है। विडंबना यह है कि घंटों सोशल मीडिया पर बैठे रहने वाले बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। जिससे उनमें मोटापा व अनेक गैर संक्रामक रोग पनप रहे हैं। वे किशोर अवस्था में मधुमेह आदि उन रोगों के शिकार बन रहे हैं जो कभी बड़ी उम्र के लोगों को हुआ करते थे। इस संकट का एक घातक पहलू यह भी है कि मोबाइल पर लगातार सोशल मीडिया के कार्यक्रम स्क्रॉल करने वाले बच्चों की मानसिक एकाग्रता बाधित हो रही है। जाहिर है इसका प्रभाव उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर पड़ेगा। एक समय दुनिया के तमाम देशों में जिन भारतीय प्रतिभाओं का डंका बजता था, शायद भविष्य में ऐसा न हो। घंटों सोशल मीडिया पर बिताने वाले छात्रों से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे अपनी पढ़ाई के लिये पूरी तरह एकाग्र हो सकेंगे। निरंतर कल्पना लोक में विचरण करने वाले बच्चे जब जीवन की हकीकत से जूझते हैं तो टूटने-बिखरने लगते हैं। गाहे-बगाहे आत्महत्या करने वाले किशोरों के डेटा का यदि गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तो निश्चित रूप से हम सोशल मीडिया के घातक प्रभाव की हकीकत से रूबरू हो सकते हैं। आस्ट्रेलियाई पहल से सबक लेकर भारत के नीति-नियंताओं को भी इस दिशा में गंभीरता से पहल करनी चाहिए। इस दिशा में थोड़ी भी देरी की देश को भविष्य में बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

शीतकालीन सत्र : घुसपैठ बनाम चुनावी राजनीति

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

शीतकालीन सत्र का यह दिन भारतीय संसद के उन क्षणों में से एक बन गया, जब बहस से ज़्यादा राजनीतिक टकराव और आरोप-प्रत्यारोप ने माहौल को गरमा दिया। सदन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वक्तव्य के बाद विपक्ष का वॉकआउट केवल प्रक्रियागत विरोध नहीं था, बल्कि उस गहरे अविश्वास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की अभिव्यक्ति भी था, जो आज भारतीय राजनीति की मुख्य धुरी बन चुका है। अमित शाह ने सदन में घुसपैठ के मुद्दे पर तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि घुसपैठिए यह तय नहीं कर सकते कि देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कौन होगा। गृह मंत्री का यह कथन सिर्फ सुरक्षा नीति की अभिव्यक्ति नहीं था, बल्कि विपक्षी दलों पर एक परोक्ष प्रहार भी था कि वे ऐसे तत्वों से राजनीतिक सहानुभूति रखते हैं जिन्हें जनता ने स्वीकार नहीं किया। विपक्ष को यह बात नागवार गुज़री और उसने अचानक सदन से बाहर निकलने का फैसला लिया। इस पर शाह का तर्क था कि वे तो केवल घुसपैठियों को देश के लोकतांत्रिक ढांचे से बाहर रखने की बात कर रहे थे, लेकिन "पता नहीं विपक्ष क्यों चला गया। शायद उन्हें उन पार्टियों से हमदर्दी है जिन्हें जनता वोट नहीं देती और जिनके पुराने वोट बैंक भी खत्म हो चुके हैं।"

चुनावी राजनीति में वोट बैंक एक स्थापित वास्तविकता है। परंतु चुनाव आयोग की ईमानदारी पर लगातार उंगलियां उठाना—खासकर तब जब चुनाव परिणाम विपक्ष के प्रतिकूल हों—नई प्रवृत्ति नहीं है। लेकिन शाह ने सदन में यह स्पष्ट किया कि भाजपा ने कभी चुनाव आयुक्त या चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा नहीं किया, भले ही चुनाव परिणाम उनके खिलाफ रहे हों। उन्होंने इमरजेंसी के दौर की याद दिलाते हुए कटाक्ष किया कि जब पत्रकार भी सवाल पूछते थे तो उन पर भाजपा का एजेंट होने का ठप्पा लगा दिया जाता था। यह टिप्पणी न केवल कांग्रेस की ऐतिहासिक विरासत पर प्रहार थी, बल्कि आज के राजनीतिक वातावरण की तुलना भी थी, जिसमें संवाद की जगह संदेह और आरोप ले चुके हैं। अमित शाह ने उत्तर प्रदेश और बिहार के पुराने चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि "पूरा पर्चों का बक्सा गायब कर दिया जाता था और चुनावी धांधलियों का बोलबाला था।" उनके अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) के आने के बाद यह खेल खत्म हुआ और चोरी बंद हो गई, "इसीलिए कुछ लोगों को पेट में दर्द है।" शाह की दृष्टि में ईवीएम ने भारतीय चुनावों को अधिक पारदर्शी बनाया है और उन राजनीतिक दलों के लिए असुविधा पैदा की है जो चुनावी हेरफेर को ही जीत का रास्ता समझते थे। भाजपा का यह तर्क लंबे समय से रहा है कि कांग्रेस 2004 और 2009 में ईवीएम के माध्यम से ही सत्ता में आई थी—तब मशीन पर सवाल नहीं उठाए गए। लेकिन जैसे ही सत्ता हाथ से गई, वही मशीन अचानक अविश्वसनीय लगने लगी। सदन में सोनिया गांधी के मुद्दे पर हुए हंगामे ने बहस को और उलझा दिया। गृह मंत्री ने कहा कि ईवीएम का ट्रायल और सत्यापन कई बार हो चुका है। न सिर्फ तकनीकी रूप से, बल्कि राजनीतिक तौर पर भी ईवीएम भारतीय चुनाव प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के 45 दिन बाद, जब किसी प्रकार की आपत्ति नहीं आती, तब चुनाव आयोग किसी रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखने के लिए बाध्य नहीं होता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीसीटीवी रिकॉर्डिंग संवैधानिक प्रावधान का हिस्सा नहीं है। शाह ने एक और दिलचस्प तथ्य रखा—भारत ने 73 वर्षों तक चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए कोई स्पष्ट कानून नहीं बनाया था। यह विषय हाल ही में चर्चाओं और नए कानूनों के निर्माण के कारण सुर्खियों में आया है। विपक्ष लगातार यह मांग करता रहा है कि चुनाव आयोग की नियुक्ति पूरी तरह स्वतंत्र हो और न्यायालय की निगरानी में की जाए। इस पर रविशंकर प्रसाद का तर्क था कि "जब जनता प्रधानमंत्री को परमाणु बटन सौंपने का भरोसा देती है, तब उनके नेतृत्व में ईमानदार और सक्षम चुनाव आयुक्त क्यों नहीं चुने जा सकते?" उनके अनुसार, मतदाता जिस नेतृत्व पर राष्ट्र की सुरक्षा का विश्वास करता है, वही चुनाव आयोग की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में भी सक्षम है। शीतकालीन सत्र की यह बहस केवल ईवीएम या घुसपैठ तक सीमित नहीं थी। यह भारतीय लोकतंत्र के दो दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व कर रही थी—एक तरफ सरकार का दावा कि पारदर्शी तंत्र के कारण चुनावी हेरफेर अब संभव नहीं है, और दूसरी ओर विपक्ष का संकेत कि चुनाव आयोग सहित संस्थागत तंत्र पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ता जा रहा है। इन दो दृष्टिकोणों के बीच सच्चाई कहाँ है, यह जनता को तय करना है। लेकिन सदन में बहस से भागने या वॉकआउट की रणनीति लोकतंत्र की मजबूती से अधिक उसकी कमजोरी को दर्शाती है। अमित शाह की बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि उन्होंने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती दी। विपक्ष लगातार यह प्रचार करता रहा है कि लोकतंत्र खतरे में है, संस्थाएँ कमजोर हो रही हैं और चुनाव प्रक्रिया पर से भरोसा उठ चुका है। शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि "आपके हारने का कारण आपका नेतृत्व है।" उनकी दृष्टि में यह बहाना-आधारित राजनीति है, जिसमें पराजय का दोष कभी मशीन पर, कभी संस्थाओं पर और कभी भाजपा पर मढ़ दिया जाता है। लेकिन चुनाव लोकतंत्र का सबसे स्पष्ट आईना है—जनता जिस नेतृत्व पर भरोसा करती है वही सत्ता तक पहुंचता है, और जो जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता, उसे जनादेश नहीं मिलता।

जीवन मंत्र

जब समाज अपने ही शुभचिंतक को ठुकरा देता है

अचानक भयंकर तूफान आ गया। तेज बारिश होने लगी। बादल भयानक रूप से गरज रहे थे, बिजली चमक रही थी। वे सभी वृक्ष के नीचे खडे.हो गए। तभी उनमें से एक ने कहा- हम में से जो पापी होगा, उस पर किसी समय बिजली गिर सकती है।

कभी-कभी परिवार या समाज में एक व्यक्ति ऐसा निकल आता है, जिसके कारण समूचा समाज और परिवार उबर जाता है। एक पुरानी कथा है। दस लोग जंगल मार्ग से कहीं जा रहे थे। अचानक भयंकर तूफान आ गया। तेज बारिश होने लगी। बादल भयानक रूप से गरज रहे थे, बिजली चमक रही थी। वे सभी वृक्ष के नीचे खडे.हो गए। तभी उनमें से एक ने कहा- हम में से जो पापी होगा, उस पर किसी समय बिजली गिर सकती है। सब चिंता में पड़ गए, आखिर वह पापी कौन है? उस एक के कारण सबको मरना पड़े, तो यह ठीक नहीं। फिर सबने तय किया कि एक-एक करके दसों यात्री दूर जाकर खडे.होंगे; जो पापी होगा, उसके ऊपर बिजली गिरेगी। सब अपने आप को पुण्यशाली समझ रहे थे। कोई अपने आप को पापी समझने को तैयार न था। सबसे पहले जो आदमी जाकर दूर खड़ा हुआ, वह अंदर से बहुत डर रहा था, क्योंकि उसे पता था कि उसने पाप किया है। वह पांच मिनट तक खड़ा रहा। बिजली उसके सिर पर चमक रही थी, मगर उस पर गिरी नहीं, वह बच गया। मन ही मन परमात्मा का आभार मानकर वह वापस वृक्ष तले आ गया। दूसरा व्यक्ति गया, वह भी पांच मिनट के बाद संतोष समेत वापस आया। उसने भी सोचा वह निष्पापी है। तीसरा गया। उस पर भी बिजली नहीं गिरी। इस तरह, नौ लोग सुरक्षित वापस लौट आए। उन सबके मन में यह बात तय हो गई कि जो दसवां है, वही पापी है। अब उन्होंने मिलकर दसवें को कहा- पापी, दुष्ट, तेरे कारण हम सब मर जाते। अब जब तू पहचान में आ गया है, तो यहां से निकल। तेरे जैसे पापी के तो साथ चलना भी पाप है। वह सीधा-सादा इंसान था।

मगर नौ जनों ने उसे धक्का मारकर दूर कर दिया। उसने पूछा भी कि मेरा क्या दोष है? वे एक सुर में बोले, तू पापी है। तुझे मारने के लिए ही बिजली चमक रही है। तेरे कारण हम सब मरना नहीं चाहते। तुम जाओ यहां से। उस भोले इंसान ने कहा- मेरे कारण आप सबको कष्ट हुआ, इसके लिए मैं क्षमा मांगता हूं, पर मुझे अकेला छोड़कर मत जाओ। सबने कहा- नहीं, तुम जैसे पापी की तो परछाईं भी हम पर नहीं पड़नी चाहिए। तू यहां से भाग। बेचारा रोता हुआ गया, जैसे ही कुछ कदम दूर आगे बढ़ा, आसमान से बिजली गिरी और सारे के सारे मारे गए! उस एक पुण्यशाली के कारण उन नौ के प्राण की रक्षा हो रही थी। जब कभी किसी पुण्यशाली को धक्के

जीवन ऊर्जा

हेनरीक हाइने : जन्म 13 दिसंबर 1797

जन्म

कला मानव आत्मा की अभिव्यक्ति है

हेनरीक हाइने जर्मन कवि, निबंधकार और पत्रकार थे। उनका जन्म 13 दिसंबर 1797 को हुआ था और 17 फरवरी 1856 को निधन हुआ। वे अपनी रोमैंटिक कविताओं और सामाजिक विषयों पर टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध थे। उनका साहित्य विश्वभर में अत्यधिक प्रभावशाली माना जाता है।

जहां किताबें जलाई जाती हैं, वहां अंततः मनुष्यों को भी जलाया जाएगा। हमारे पास जो एकमात्र डर होना चाहिए, वह है स्वयं डर। जो व्यक्ति खतरे में नहीं रहा, वह यह नहीं जानता कि स्वतंत्रता का क्या मतलब होता है। हम इस दुनिया में खुश रहने के लिए नहीं, बल्कि दूसरों को खुश करने के लिए हैं। जितना मैं मानवता से प्यार करता हूं, उतना मैं विशेष रूप से आदमी से कम प्यार करता हूं। प्रेम एक सुंदर फूल की तरह है जिसे मैं छू नहीं सकता, लेकिन जिसकी खुशबू बगिया को आनंद का स्थान बनाती है। दुनिया उनके लिए एक कॉमेडी है जो सोचते हैं, और उनके लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं। जीवन एक सपना है जिससे हम केवल मृत्यु पर जागते हैं। एक कवि एक वायलिनिस्ट की तरह है, जो बिना समझे अपनी संगीत बजाता है। एक लेखक एक कुत्ते की तरह है जो कार का पीछा करता है; भले ही वह इसे पकड़ ले, उसे पता नहीं होता कि उसके साथ क्या करना है। जो सत्य को पसंद नहीं करता, उसे धोखा देने का अधिकार है। दुनिया का ज्ञान होना पर्याप्त नहीं है, आपको इसे उपयोग करने की समझ भी होनी चाहिए। युद्ध के समय, लोग अपनी मूर्खता को अक्सर नहीं देख पाते। सभी से अधिक

खतरनाक मूर्खता यह है कि हम जो करते हैं, उसके लिए हमें कोई कारण है। जीने से पहले मर जाना सबसे दुखद बात है। सत्य हमेशा एक जैसा होता है, लेकिन जिस रूप में हम इसे महसूस करते हैं, वह बदलता रहता है। सभी सबसे बड़ी सच्चाइयाँ वे होती हैं जिन्हें स्वीकार करना सबसे कठिन होता है। समय, जो सभी चीजों को देखता है, ने तुम्हें पहचान लिया है। जो कुछ नया होता है, वह थोड़ा अजीब भी होता है। जो आदमी बच्चा नहीं रहा, उसका भविष्य नहीं होता। सबसे बड़ी खुशी मृत्यु के डर से मुक्त होना है।

अपने विचार

अभी हम चुनाव हारे हैं, अभी बिहार में रहकर ही क्या करेंगे। सरकार को 3 महीने का मौका दिया है। वह ठीक से काम नहीं करती है तो हम सवाल करेंगे, हमने मैदान नहीं छोड़ा है।

-मुकेश सहनी
अध्यक्ष,VIP पार्टी

तेजस्वी यादव विधानसभा सत्र के बीच ही परिवार के साथ विदेश यात्रा पर चले गए हैं। तेजस्वी ने मैदान छोड़ दिया है, अगले 5 साल तक विरोधी दल के नेता की भूमिका निभाने की क्षमता उनमें नहीं है।

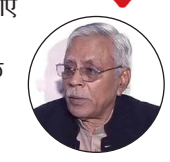

- शिवानंद तिवारी
वरिष्ठ नेता,आरजेडी

लाड़की बहिन योजना राज्य की एक महत्वपूर्ण पहल है और इसे असंबद्ध विषयों में राजनीतिक प्रभाव के लिए नहीं खींचा जाना चाहिए।, 'यह योजना जारी रहेगी। यह किसी अन्य कार्यक्रम से निधि या संसाधन नहीं लेगी लेकिन कोई भी इस पर अनावश्यक टिप्पणी न करे।

-देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री,महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के आराध्य छत्रपति शिवाजी महाराज का इतिहास अगर देशभर के विद्यार्थियों तक नहीं पहुंच रहा है, तो यह राज्य के शिक्षा विभाग की विफलता है। शिवाजी महाराज ने राज्य को खड़ा किया।

-सत्यजीत तांबे
निर्दलीय विधायक,महाराष्ट्र

शख्सियत

स्मिता पाटिल

अभिनय, संवेदना और सशक्त नारी की अमर पहचान

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जो केवल कलाकार नहीं, बल्कि एक युग बनकर स्मृति में दर्ज हो जाते हैं। स्मिता पाटिल ऐसा ही एक नाम है—एक ऐसी अद्वितीय अभिनेत्री, जिसने अपनी अद्भुत संवेदनशीलता, दमदार अभिनय और नारीवाद की गहरी समझ के साथ हिंदी और समानांतर सिनेमा को नई दिशा दी।

17 अक्टूबर 1955 को पुणे में जन्मी स्मिता पाटिल राजनीतिक और सामाजिक माहौल के बीच पली-बढ़ीं। उनके पिता शिवाजीराव पाटिल महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और मां विद्याताई पाटिल एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता थीं। शायद यही कारण था कि सामाजिक सरोकार उनके व्यक्तित्व का मूल हिस्सा बन गए। उन्होंने अपनी पहली पहचान दूरदर्शन की समाचार वाचक के रूप में बनाई, जहां उनके निडर अंदाज़, प्रभावशाली आंखों और सांवले आकर्षक सौंदर्य ने सभी का ध्यान खींचा। सिनेमा में प्रवेश के साथ ही स्मिता मुख्यधारा की नायिका नहीं बनीं, बल्कि उन्होंने वे रास्ते चुने जिन पर कम ही कलाकार कदम रखते हैं। 'मंथन', 'भूमिका', 'चक्र', 'अर्थ', 'मिर्च मसाला' जैसी फिल्मों में उनके किरदार सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि समाज की उस स्त्री का आईना थे, जो बदलते दौर में संघर्ष कर रही थी, टूट रही थी, लेकिन फिर भी अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही थी। उनकी फिल्मों में महिला मनोविज्ञान, स्त्री शक्ति और सामाजिक यथार्थ की गहरी छाप मिलती है। स्मिता मुंबई महिला केंद्र से जुड़ीं और महिलाओं के अधिकारों की मुखर आवाज बनीं। इसी वजह से वे एक अभिनेत्री से कहीं बढ़कर, एक विचार और आंदोलन की प्रतीक बन गईं।

व्यक्तिगत जीवन में उनका नाम अभिनेता राज बब्बर से जुड़ा, जिनसे बाद में उन्होंने विवाह किया। 13 दिसंबर 1986 को बेटे प्रतीक के जन्म के कुछ ही दिनों बाद प्रसूति संबंधी जटिलताओं के कारण उनकी मृत्यु हो गई। मात्र 31 वर्ष की आयु में उनका जाना भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी क्षतियों में गिना जाता है। स्मिता ने अपने छोटे से करियर में 80 से अधिक फिल्मों में काम किया। 'भूमिका' और 'चक्र' के लिए उन्हें दो राष्ट्रीय पुरस्कार मिले, जबकि पद्म श्री से सम्मानित किया गया। फ़िल्मफ़ेयर में भी उन्हें कई नामांकन और जीत मिलीं।

आज भी स्मिता पाटिल सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री की जिजीविषा, संघर्ष और सपनों की अनंत प्रतीक मानी जाती हैं। उनका काम, उनकी संवेदना और उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को यह बताती है कि सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं—वह समाज का आईना, प्रश्न और परिवर्तन का माध्यम भी है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

त्रिपुण्ड्र का महत्व और आध्यात्मिक रहस्य

कभी आपने देखा होगा कि साधु-संतों और विभिन्न पंथों के अनुयायियों के माथे पर अलग-अलग प्रकार के तिलक दिखाई देते हैं। तिलक दरअसल विभिन्न सम्प्रदायों, अखाड़ों और पंथों की पहचान होते हैं। हिन्दू धर्म में जितने मत, पंथ और सम्प्रदाय हैं, लगभग उतने ही प्रकार के तिलक प्रचलित हैं। लोग अपने-अपने इष्ट और परंपरा के अनुसार तिलक धारण करते हैं।

शैव परंपरा में भगवान शिव के मस्तक पर तथा शिवलिंग पर भस्म या सफेद चंदन से जो तीन आड़ी रेखाएँ लगाई जाती हैं, उन्हें त्रिपुण्ड्र कहा जाता है। यह भगवान शिव के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शैव संन्यासियों और शिवभक्तों का प्रमुख तिलक भी यही त्रिपुण्ड्र होता है। एक बार सनत्कुमारों ने भगवान कालाग्निरुद्र से पूछा कि त्रिपुण्ड्र कितना बड़ा होना चाहिए और इसे कैसे लगाना चाहिए। इस पर भगवान कालाग्निरुद्र ने बताया कि बीच की तीन अंगुलियों से भस्म लेकर भक्तिपूर्वक ललाट पर त्रिपुण्ड्र लगाना चाहिए। इसे मस्तक से भ्रूकुटि तक और बाएँ नेत्र से दाएँ नेत्र की ओर तक लगाया जाता है। त्रिपुण्ड्र की रेखाएँ बहुत लंबी होने पर तप कम होता है और अत्यधिक छोटी होने पर आयु में हानि होती है। प्रातःकाल जल में भस्म मिलाकर, मध्याह्न में भस्म में चंदन मिलाकर और सायंकाल सूखी भस्म से त्रिपुण्ड्र लगाने का विधान है। त्रिपुण्ड्र की तीनों रेखाओं का गहरा आध्यात्मिक रहस्य है। प्रत्येक रेखा से नौ-नौ देवता सम्बद्ध माने गए हैं। पहली रेखा गार्हपत्य अग्नि, प्रणव के 'अकार', रजोगुण, पृथ्वी, धर्म, क्रियाशक्ति, ऋग्वेद, प्रातःकालीन हवन और महादेव से सम्बद्ध है। दूसरी रेखा दक्षिणाग्नि, प्रणव के 'उकार', सत्त्वगुण, आकाश, अंतरात्मा, इच्छाशक्ति, यजुर्वेद, मध्याह्न हवन और महेश्वर से जुड़ी है।

तीसरी रेखा आहवनीय अग्नि, प्रणव के 'मकार', तमोगुण, स्वर्गलोक, परमात्मा, ज्ञानशक्ति, सामवेद, सायंकालीन हवन और शिव से सम्बद्ध होती है। त्रिपुण्ड्र धारण करने के अनेक फल बताए गए हैं। इसे धारण करने से छोटे-बड़े सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और सभी तीर्थों में स्नान करने का फल प्राप्त होता है। त्रिपुण्ड्र भोग और मोक्ष दोनों प्रदान करता है। यह रुद्रमंत्रों के जप का अधिकार देता है तथा मृत्यु के बाद शिवसायुज्य मुक्ति प्राप्त कराता है। ऐसा व्यक्ति फिर पुनर्जन्म नहीं लेता। कुछ शिवभक्त त्रिपुण्ड्र के बीच में माता गौरी के प्रति श्रद्धा स्वरूप रोली का बिन्दु लगाते हैं। इसे गौरी–शंकर का स्वरूप माना जाता है। कुछ उपासक पहले बिन्दु लगाकर फिर त्रिपुण्ड्र बनाते हैं, जबकि कुछ पहले त्रिपुण्ड्र बनाते हैं और बाद में बिन्दु। केवल देवी-उपासना करने वाले लोग लाल बिन्दु का तिलक लगाते हैं। शैव परंपरा के भीतर अघोरी, कापालिक और तांत्रिक जैसे पंथों में विधियों के भिन्न होने पर तिलक लगाने का तरीका भी बदल जाता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

एलटीटी मुंबई और बनारस के बीच एक अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवा

मुंबई। मध्य रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए एलटीटी मुंबई और बनारस के बीच 14 दिसंबर, 2025 को एक अतिरिक्त विशेष ट्रेन (01081) चला रहा है। यह ट्रेन सुबह 08:25 बजे एलटीटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 16:05 बजे बनारस पहुंचेगी। इसके मार्ग में कल्याण, नाशिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर और वाराणसी जंक्शन पर ठहराव होगा। इस विशेष ट्रेन में 1 एसी-प्रथम श्रेणी सह एसी-II टियर, 1 एसी-II टियर, 6 एसी-III टियर, 2 एसी-III टियर इकोनॉमी, 5 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड की ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार शामिल हैं।

बांद्रा टर्मिनस एवं अजमेर के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अजमेर में उर्स फेस्टिवल के लिए यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस एवं अजमेर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09028 बांद्रा टर्मिनस – अजमेर स्पेशल सोमवार और गुरुवार, 22 एवं 25 दिसंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 12:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:20 बजे अजमेर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09028 अजमेर – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल मंगलवार और शुक्रवार, 23 एवं 26 दिसंबर, 2025 को अजमेर से 10:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, दहानू रोड, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर और नसीराबाद स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

चार दिनों तक 50 प्रतिशत पानी की कटौती

ठाणे। पिसे बांध से टेमघर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पानी सप्लाई करने वाली 1000 मिमी डायमीटर की मुख्य पाइपलाइन गुरुवार दोपहर कल्याण फाटा के पास दो जगह फिर टूट गई, जिसके बाद जल विभाग ने मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। पुरानी और प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट पाइप होने के कारण मरम्मत में लगभग चार दिन लगने का अनुमान है। इस वजह से शहर में पानी की सप्लाई 50% कम कर दी गई है और 15 तारीख तक सभी इलाकों में केवल 12 घंटे पानी उपलब्ध कराया जाएगा। मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे पानी का उपयोग सोच-समझकर और बचत के साथ करें।

मध्य रेल पर रविवार को मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल ने रविवार, दिनांक 14.12.2025 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए अपने उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक की घोषणा की है। इस दौरान यात्री सेवाओं में बदलाव और डायवर्जन किए जाएंगे ताकि रेल बुनियादी ढाँचे का रखरखाव सुरक्षित और प्रभावी ढंग से किया जा सके।

मेन लाइन पर बदलाव

मेन लाइन पर माटुंगा–मुलुंड अप और डाउन फास्ट लाइन पर 11:05 बजे से 15:45 बजे तक कार्य किया जाएगा। इसके तहत सीएसएमटी से 10:36 बजे से 15:10 बजे तक चलने वाली डाउन फास्ट लाइन ट्रेनें माटुंगा स्टेशन पर डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। ये ट्रेनें माटुंगा और मुलुंड के बीच अपने ठहरावों पर रुकेंगी और गंतव्य तक पहुँचने में लगभग 15 मिनट की देरी होगी।

फास्ट ट्रेनों का डायवर्जन

ठाणे से चलने वाली अप फास्ट लाइन की ट्रेनें सुबह 11:03 बजे से दोपहर 15:38 बजे तक मुलुंड स्टेशन पर अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। इन ट्रेनों को मुलुंड और माटुंगा के बीच अपने निर्धारित ठहरावों के अनुसार रोका जाएगा और पुनः माटुंगा स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर वापस डायवर्ट किया जाएगा। यात्रियों को गंतव्य तक पहुँचने में लगभग 15 मिनट की देरी का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाओं में रद्दीकरण

ट्रांस-हार्बर लाइन पर ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच अप और डाउन सेवाएं सुबह 11:10 बजे से शाम 16:10 बजे तक रद्द रहेंगी। ठाणे से वाशी/नेरुल/पनवेल जाने वाली डाउन लाइन और पनवेल/नेरुल/वाशी से ठाणे जाने वाली अप लाइन की सेवाएं क्रमशः 10:35 से 16:07 और 10:25 से 16:09 बजे तक रद्द रहेंगी।

बोरीवली और गोरेगांव स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा बोरीवली और गोरेगांव स्टेशनों के बीच रविवार, 14 दिसम्बर, 2025 को 10.00 बजे से 15.00 बजे तक अप एवं डाउन स्लो लाइनों पर पांच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान गोरेगांव और बोरीवली के बीच अप एवं डाउन स्लो लाइन की सभी ट्रेनें फास्ट लाइनों पर चलाई जाएंगी। ब्लॉक के कारण कुछ अप एवं डाउन उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी तथा अंधेरी और बोरीवली की कुछ ट्रेनें गोरेगांव स्टेशन तक हार्बर लाइन पर चलाई जाएंगी। ब्लॉक अवधि के दौरान बोरीवली स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1, 2, 3 और 4 से कोई भी ट्रेन नहीं चलेगी।

मध्य रेल की आरपीएफ ने असाधारण खोज कौशल का किया प्रदर्शन

चोरी का मामला मात्र 3 दिनों में सुलझाया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अपनी जांच कौशल और तकनीकी विशेषज्ञता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए केवल 3 दिनों में चोरी का एक जटिल मामला हल कर दिखाया। 20 सितंबर 2025 को जलगांव के पास ट्रेन संख्या 12167-एलटीटी-बनारस एक्सप्रेस में एक महिला यात्री के 3,00,000 रुपये मूल्य के सोने के आभूषणों से भरे पर्स की चोरी हुई थी। मामला जीआरपी/भुसावल/जलगांव में दर्ज किया गया।

आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी

आरपीएफ की विशेष टीम ने लगातार तकनीकी और मानवीय खुफिया प्रयासों के जरिए मुख्य आरोपी महेश लिंगायत को 23 सितंबर 2025 को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने न केवल जुर्म स्वीकार किया बल्कि लगभग 9 महीने पहले, 26 दिसंबर 2024 को हुई पोरबंदर–शालीमार एक्सप्रेस में 9,64,400 रुपये मूल्य के आभूषण चोरी मामले में अपनी संलिप्तता भी स्वीकार की। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में दो और आरोपियों, राजकुमार विश्वकर्मा और मनोज जाधव को गिरफ्तार किया गया। तीनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 305(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया।

यात्रियों के लिए चेतावनी

आरपीएफ और जीआरपी की टीमों ने दोनों मामलों में उत्कृष्ट खोज कौशल, सटीक खुफिया विश्लेषण, निगरानी तकनीक और समन्वित टीम वर्क का प्रदर्शन किया। ये सफलता मध्य रेल आरपीएफ की व्यावसायिकता, ईमानदारी और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। मध्य रेल यात्रियों से अपील करता है कि वे अपने सामान की सुरक्षा का ध्यान रखें और किसी अप्रिय घटना की स्थिति में 139 डायल कर सहायता लें।

डंपिंग ग्राउंड अब एनजीटी मानकों के अनुसार होगा संचालित

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा उद्यान के लिए आरक्षित मैदान पर बिना प्रक्रिया के कचरा डंप किए जाने का मामला शुक्रवार को नागपुर में चल रहे राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में उठाया गया। भिवंडी पूर्व के समाजवादी पार्टी विधायक रईस शेख ने इस मुद्दे पर लक्षवेधी सूचना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि भिवंडी में प्रतिदिन लगभग 450 मीट्रिक टन कचरा निकलता है, जिस पर कोई वैज्ञानिक प्रक्रिया नहीं होती। पिछले 20 वर्षों में महानगरपालिका एक भी स्थायी डंपिंग ग्राउंड विकसित नहीं कर पाई है। कई आंदोलनों और हाईकोर्ट के निर्देशों के बावजूद नगर विकास विभाग निष्क्रिय रहा है।

समाधान के लिए जल्द कदम उठाने का आश्वासन

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि ठाणे जिलाधिकारी ने डंपिंग ग्राउंड के लिए नई जगह मंजूर कर दी है। तब तक मौजूदा स्थल पर कचरा प्रबंधन राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के मानकों के अनुसार किया जाएगा। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि 15 दिनों के भीतर विभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर इस मामले का त्वरित समाधान निकाला जाएगा। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि लंबे समय से लंबित इस समस्या का अब ठोस और स्थायी समाधान मिल सकेगा।

बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत स्टील ब्रिज लॉन्च

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत गुजरात के भरूच जिले के कंथारिया गांव के पास नेशनल हाईवे-64 और भरूच दहेज फ्रेट लाइन पर 230 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के 130 मीटर स्पैन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। यह सतत् स्टील ब्रिज दो स्पैन में तैयार किया गया है — 130 मीटर और 100 मीटर। 9 दिसंबर 2025 को 130 मीटर का स्पैन लॉन्च किया गया, जिसकी ऊंचाई लगभग 18 मीटर, चौड़ाई 14.9 मीटर और वजन करीब 2780 मीट्रिक टन है।

विशेषताएं और निर्माण प्रक्रिया

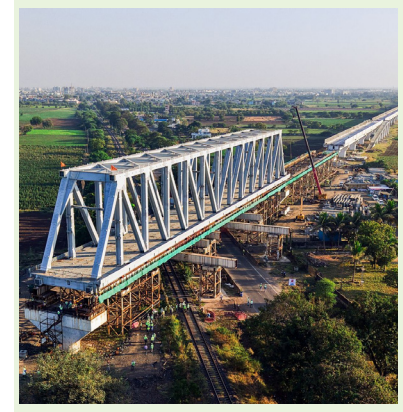

यह स्टील ब्रिज गुजरात के भुज की वर्कशॉप में बनाया गया और इसे 100 साल की लाइफस्पैन के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें लगभग 1,22,146 टॉर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (TTHS) बोल्ट, C5 सिस्टम पेंटिंग और मेटैलिक बेयरिंग का उपयोग किया गया है। ब्रिज को 14 मीटर ऊँचाई पर असेंबल किया गया और इसे मैक-अलॉय बार के साथ दो सेमी-ऑटोमैटिक जैक का इस्तेमाल करके धकेला गया, जिनमें से प्रत्येक 250 टन वज़न उठा सकता है।

सुरक्षित और तेज़ लॉन्चिंग

फ्रेट ट्रैक पर ब्लॉकों और NH-64 पर रोड डायवर्जन के साथ 12 घंटे में ब्रिज लॉन्चिंग का कार्य पूरा किया गया। यह ब्लॉक सुरक्षा बनाए रखने और फेज्ड लॉन्चिंग प्रोसेस के दौरान सटीकता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक थे। सभी गतिविधियों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई ताकि सड़क उपयोगकर्ताओं और चल रहे फ्रेट संचालन में न्यूनतम व्यवधान हो।

प्लास्टिक बंदी को लेकर जनजागृति अभियान

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने शहर में प्लास्टिक थैलियों पर कड़ा प्रतिबंध लगाया है। इसका उद्देश्य शहर को प्रदूषण मुक्त बनाना, सफाई बनाए रखना और हरियाली बढ़ावा देना है। इस दिशा में स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ जनजागृति रैली का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों को प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

जनजागृति रैली और नागरिक सहभागिता

उल्हासनगर शहर में मनपा के सफाई विभाग द्वारा आयोजित इस रैली का उद्देश्य महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल और अन्य विभागों के सहयोग से प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति नागरिकों को जागरूक करना था। उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस, उपायुक्त स्वास्थ्य विशाखा मोठघेर, स्वास्थ्य अधिकारी मनीष हिवरे, मुख्य बाजार निरीक्षक विनोद केणे और मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एकनाथ पवार की निगरानी में पेट ऑक्सफोर्ड विद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों ने पोस्टर और बैनर लेकर शहरवासियों से अपील की कि वे प्लास्टिक का उपयोग बंद करें और गीला-सूखा कचरा अलग करें। इस रैली में इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट और ओरियन कंस्ट्रक्शन संस्था ने सहयोग प्रदान किया।

पंढरपुर-तिरुपति के बीच नई साप्ताहिक विशेष ट्रेनों की शुरुआत

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

पंढरपुर और तिरुपति के बीच बढ़ती यात्री मांग को देखते हुए रेलवे ने दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक साप्ताहिक विशेष ट्रेन सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों का उद्देश्य यात्रियों को सुविधाजनक, समयबद्ध और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। दोनों ओर से सप्ताह में एक-एक ट्रेन चलाई जाएगी।

तिरुपति–पंढरपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन (07012)

ट्रेन संख्या 07012 तिरुपति–पंढरपुर प्रत्येक शनिवार को 20 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक तिरुपति से 16:40 बजे रवाना होगी और अगले दिन 18:50 बजे पंढरपुर पहुंचेगी। इस मार्ग पर रेनिगुंटा, कडपा, ताड़ीपत्री, गूटी, सिकंदराबाद, बीदर, लातूर, धाराशिव और कुर्दुवाडी सहित कुल दर्जनों स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है, जिससे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और मराठवाड़ा के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

ट्रेन संरचना (20 दिसंबर 2025 से 3 जनवरी 2026 तक)

इस अवधि में ट्रेन में कुल 24 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 1 फर्स्ट एसी कम सेकेंड एसी, 3 थर्ड एसी, 14 स्लीपर, 4 जनरल और 2 गार्ड-कम-ब्रेक वैन शामिल होंगे। यह संरचना लंबी दूरी की यात्रा को आरामदायक बनाने पर केंद्रित है।

ट्रेन संरचना (4 जनवरी 2026 से 1 फरवरी 2026 तक)

इस चरण में कोच संरचना में थोड़ा बदलाव किया गया है। कुल 24 कोच में 1 सेकेंड एसी, 3 थर्ड एसी, 14 स्लीपर कोच, 4 जनरल कोच और 2 ब्रेक वैन शामिल रहेंगे। रेलवे का कहना है कि यह व्यवस्था यात्री भार और मांग के अनुसार तैयार की गई है, जिससे त्योहारों के बाद भी यात्रियों को निर्बाध सेवा मिल सके।

पंढरपुर–तिरुपति विशेष ट्रेन (07032)

ट्रेन संख्या 07032 पंढरपुर–तिरुपति 21 दिसंबर 2025 से 28 दिसंबर 2025 तक प्रत्येक रविवार को पंढरपुर से 20:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:30 बजे तिरुपति पहुंचेगी। इस ट्रेन को मोडलिंब, लातूर, बीदर, सिकंदराबाद, गुंटूर, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और श्री कालाहस्ती जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकने की अनुमति दी गई है, जिससे यात्रा और अधिक सुलभ हो जाती है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृष व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कर्क नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आएं।

सिंह कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

तुला तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी।

वृश्चिक कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

धनु किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा।

मकर किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

कुंभ यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें।

मीन दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

पुखराज रत्न: गुरु की कृपा से जीवन बदलने वाला अद्भुत पीला चमत्कार

पुखराज रत्न को सदियों से सौभाग्य का दीपक माना गया है। यह सिर्फ एक रत्न नहीं, बल्कि बृहस्पति ग्रह की दिव्य ऊर्जा का ऐसा माध्यम है, जो जीवन के कठिन मोड़ों को सरल बना देता है। जब किसी व्यक्ति के जीवन में राहें धुंधली पड़ जाती हैं, सपने अधूरे रह जाते हैं, विवाह अटक जाता है, संतान की इच्छा पूरी नहीं हो पाती या मन बार-बार परेशानियों में उलझ जाता है—तब पुखराज रत्न कहीं न कहीं एक नया उजाला बनकर सामने आता है। विद्यार्थियों के लिए यह रत्न मानो गुरु के आशीर्वाद की मूर्ति है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे होते हैं, उनके लिए एकाग्रता, धैर्य और मानसिक शक्ति सबसे बड़ी जरूरत होती है। पुखराज धारण करने के बाद पढ़ाई में रुचि बढ़ने लगती है, याददाश्त मजबूत होती है और समझने की क्षमता तेज़ होती है। कई लोग कहते हैं कि यह रत्न उनके करियर में वैसी ही मदद करता है, जैसे एक अनुभवी शिक्षक कठिन से कठिन विषय

प्रियंका जैन
9769994439

को सरल बना देता है। सरकारी नौकरियों की राह में आने वाली बाधाएँ धीरे-धीरे हटने लगती हैं और सफलता पास आने लगती है। विवाह के इच्छुक लोगों पर भी इसका प्रभाव अद्भुत माना गया है। जब किसी व्यक्ति के विवाह में अनावश्यक देरी हो रही हो, रिश्ते बार-बार टूट रहे हों या सही जीवनसाथी नहीं मिल पा रहा हो—तब पुखराज मानो भाग्य के बंद द्वार खोल देता है। इसे पहनने के बाद अच्छे कुल में विवाह होने के योग मजबूत होते हैं। विवाह के बाद भी यह रत्न दांपत्य जीवन में प्रेम, समझ और सम्मान को बढ़ाता है। पति-पत्नी के बीच जो छोटी-छोटी गलतफहमियाँ मन में गांठ बन जाती हैं, उन्हें यह रत्न मानो धीरे-धीरे घोलकर खत्म कर देता है और संबंधों में मिठास भर देता है। संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपतियों के जीवन में भी पुखराज किसी चमत्कार से कम नहीं। कई बार मेडिकल रिपोर्ट्स ठीक होने के बावजूद दंपति को संतान सुख नहीं मिलता। ऐसे समय में यह रत्न वंश वृद्धि की संभावना को बढ़ाकर मन की कई उलझनों को शांत कर देता है। इसे धारण करने के बाद कई लोगों ने अपने जीवन में आश्चर्यजनक परिवर्तन अनुभव किए हैं और लंबे समय से अधूरी इच्छा पूरी हुई है। जिन लोगों की कुंडली में बृहस्पति कमजोर हो, उनका जीवन अक्सर संघर्षों से घिरा रहता है। कभी धन का अभाव, कभी रिश्तों में टूटन, कभी करियर में रुकावटें, तो कभी मन में डर या अस्थिरता। पुखराज रत्न इन सभी बाधाओं को कम करने की क्षमता रखता है। यह रत्न जैसे-जैसे अपनी ऊर्जा प्रदान करता है, वैसे-वैसे व्यक्ति के जीवन में स्थिरता आने लगती है और वह अपनी समस्याओं से ऊपर उठने लगता है। कई बार ऐसा भी महसूस होता है कि किसी अदृश्य शक्ति ने मार्ग से पत्थर हटा दिए हों और रास्ता पहले से ज्यादा साफ दिखने लगा हो।

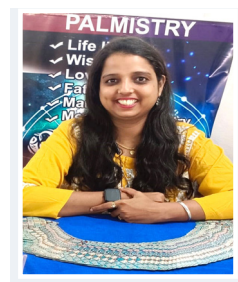

प्राचीन समय में इस रत्न को स्त्रियों के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता था। यह उनके सतीत्व की रक्षा करता है और उन्हें नकारात्मक शक्तियों से बचाता है। इसे धारण करने वाली स्त्री के जीवन में एक दिव्य सुरक्षा कवच जैसा बन जाता है, जो हर प्रकार की विपरीत परिस्थितियों को दूर करता है। गुरु ज्ञान, धर्म, बुद्धि और सीखने की शक्ति का कारक ग्रह है। पुखराज पहनने के बाद व्यक्ति में एक अद्भुत बौद्धिक स्पष्टता विकसित होती है। जहां पहले समझ न आने वाली बातें उलझन पैदा करती थीं, वही बातें अब साफ और स्पष्ट दिखने लगती हैं। निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है, मन में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन को देखने का नजरिया बदल जाता है।

न्यूज ब्रीफ

कमिश्नर की सक्रियता से बची तेलंगाना के युवक की जान

वाराणसी। पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी की तत्परता ने गुरुवार को तेलंगाना के एक युवक की जान बचा ली। आत्महत्या की आशंका वाले वीडियो के आधार पर की गई त्वरित कार्रवाई से युवक को सुरक्षित ढूंढ निकाला गया। फिलहाल पुलिस उसे अपने संरक्षण में रखकर काउंसलिंग कर रही है। सूत्रों के अनुसार, तेलंगाना निवासी सुरेश ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के सीयूजी नंबर पर एक वीडियो भेजकर जानकारी दी कि उसका पड़ोसी कार्तिक मणिकांता वाराणसी में है और उसने खुदकुशी करने की बात कहता हुआ एक वीडियो भेजा है। वीडियो के लोकेशन संकेतों के आधार पर अनुमान हुआ कि यह मणिकर्णिका घाट के आसपास रिकॉर्ड किया गया था।

16 माह के बाद सऊदी से घर लौटा बेटे का शव, फटा कलेजा

सुलतानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के नरगेसवा मजरे के 25 वर्षीय लल्लन का पार्थिव शरीर गुरुवार देर रात गांव पहुंचते ही मातमी माहौल छा गया। सऊदी अरब में मजदूरी करने गए युवक की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद लंबी चिकित्सीय अवधि के दौरान मृत्यु हो गई थी। 16 महीने बाद उसका शव भारत लाया जा सका। परिजनों के अनुसार, लल्लन 17 सितंबर 2024 को अपने एक रिश्तेदार के साथ दम्माम (सऊदी अरब) गया था और वहां दिहाड़ी मजदूर के रूप में कार्यरत था। 8 फरवरी 2025 को वह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया और कोमा में चला गया। आर्थिक तंगी के कारण परिवार उसे भारत उपचार के लिए नहीं ला सका। लगभग नौ माह तक इलाज चलने के बाद 17 नवंबर को उसकी मृत्यु हो गई। आवश्यक कानूनी और वाणिज्यिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद गुरुवार को उसका शव लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचा, जहां से परिजन उसे गांव लेकर आए। शुक्रवार दोपहर गांव के समीप जंगल में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

नशेड़ी ने घर में घुस प्रेमिका को गोली से उड़ाया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात प्रेम-प्रसंग के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सदरौना कांशीराम कॉलोनी में रह रही 21 वर्षीय युवती पर उसके प्रेमी ने घर में घुसकर फायरिंग कर दी। गंभीर रूप से घायल युवती का उपचार लोकबंधु अस्पताल में चल रहा है, जबकि आरोपित घटना के बाद फरार हो गया। थानाक्षेत्र के उपनिरीक्षक अजय यादव के अनुसार, पीड़िता अपनी बहन और भांजी के साथ किराए के मकान में रहती है। रात करीब दो बजे आरोपी आकाश कश्यप नशे की हालत में घर में जबरन घुस आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने तमंचे से दो गोलियां चलाईं। एक गोली युवती के कंधे और दूसरी उसके हाथ में लगी। गोली चलने की आवाज पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी कमरे को बाहर से बंद कर मौके से भाग निकला। घायल युवती को पड़ोसियों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर उसकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटा लिए गए हैं।

राहुल गांधी मानहानि प्रकरण की सुनवाई स्थगित

2018 के चुनाव में अमित शाह पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

एमपी-एमएलए कोर्ट में अब 23 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

सुलतानपुर। भाजपा नेता विजय मिश्रा द्वारा दायर मानहानि वाद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से संबंधित मुकदमे की सुनवाई शुक्रवार को नहीं हो सकी। एमपी/एमएलए कोर्ट में निर्धारित कार्यवाही उनके अधिवक्ता द्वारा समय मांगे जाने पर स्थगित कर दी गई। न्यायालय ने अब अगली सुनवाई के लिए 23 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को वादी पक्ष के गवाह रामचंद्र दुबे से जिरह होनी थी। राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने समय की मांग की, जिसके बाद अदालत ने कार्यवाही आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। नई तिथि पर गवाह की जिरह पूरी की जाएगी। मानहानि वाद 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से जुड़ा है, जिसमें वादी विजय मिश्रा ने आरोप लगाया है कि उस दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष एवं वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

पांच साल से विचाराधीन है प्रकरण

यह मामला पिछले पांच वर्षों से अदालत में विचाराधीन है। दिसंबर 2023 में राहुल गांधी के उपस्थित न होने पर अदालत ने वारंट जारी किया था। इसके बाद फरवरी 2024 में उन्होंने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया और उन्हें दो मुचलकों पर जमानत मिली। जुलाई 2024 में दर्ज अपने बयान में राहुल गांधी ने आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते हुए स्वयं को निर्दोष बताया था। कोर्ट ने इसके बाद वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

निर्विरोध न होने की स्थिति में 13 दिसंबर को होगा नामांकन

अगले दिन डाले जाएंगे वोट, शाम को घोषित होगा परिणाम

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित चुनाव प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। पार्टी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, 13 दिसंबर को नामांकन दाखिल किए जाएंगे, उनकी जांच और नाम वापसी भी उसी दिन पूरी कर ली जाएगी। यदि एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहते हैं, तो 14 दिसंबर को मतदान होगा और परिणाम शाम तक घोषित कर दिया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल लखनऊ में मौजूद रहेंगे। पूरी प्रक्रिया उन्हीं के पर्यवेक्षण में संपन्न होगी। चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि 13 दिसंबर को दोपहर 1 से 2 बजे तक प्रदेश मुख्यालय में नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। इसके बाद दस्तावेजों की जांच और नाम वापसी की औपचारिकताएं शाम तक पूरी कर ली जाएंगी। यदि केवल एक उम्मीदवार नामांकित होता है, तो चयन सर्वसम्मति से माना जाएगा।

माननीयों को बुलाया गया लखनऊ

प्रदेश महामंत्री संजय राय के अनुसार, चुनाव के मद्देनजर प्रांतीय परिषद के सदस्य, सांसद, विधायक, जिला व महानगर अध्यक्ष सहित प्रमुख पदाधिकारियों को लखनऊ बुलाया गया है। मतदान की आवश्यकता पड़ने पर वही सदस्य मतदान करेंगे जिनके नाम संगठन की मतदाता सूची में अंकित हैं। चुनाव कार्यक्रम सामने आने के साथ ही संगठन और राजनीतिक हलकों में नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जातीय समीकरण, संगठनात्मक अनुभव और क्षेत्रीय संतुलन जैसे पहलुओं के आधार पर कई संभावित नामों की चर्चा हो रही है। हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि नए अध्यक्ष का नाम एक-दो दिनों में स्पष्ट हो जाएगा।

यूपी, गुजरात और झारखंड में 25 से अधिक ठिकानों पर छापा

अवैध कफ सिरप नेटवर्क के खिलाफ ईडी की ताबड़तोड़ कार्रवाई

लखनऊ। अवैध कफ सिरप की तस्करी और इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में व्यापक छापेमारी की। कार्रवाई लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, सहारनपुर सहित कई जिलों में जारी है, जबकि गुजरात और झारखंड में भी एजेंसी की टीमें तैनात हैं। कुल मिलाकर 25 से अधिक ठिकानों पर एक साथ छापे डाले गए हैं। लखनऊ में ईडी की टीम ने सिपाही आलोक सिंह के आवास पर छापा मारकर दस्तावेजों और अन्य संदिग्ध सामग्री की तलाशी शुरू की। वाराणसी में खोजवा, बादशाहबाग, प्रहलाद घाट और पड़ाव इलाके में मुख्य आरोपित शुभम जायसवाल से जुड़े ठिकानों पर छापे पड़े। बताया जा रहा है कि मामला उजागर होने के बाद शुभम जायसवाल विदेश (दुबई) भाग गया था, जबकि उसके पिता भोला प्रसाद सहित 32 आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी को संदेह है कि अलग-अलग जिलों और राज्यों में बनाए गए इन ठिकानों का उपयोग अवैध कफ सिरप के भंडारण, पैकिंग और विभिन्न शहरों में सप्लाई के लिए किया गया। इसी कड़ी में रांची (झारखंड) और अहमदाबाद (गुजरात) में भी छापेमारी की गई है।

लखनऊ से धरे गए दो सिरप तस्कर

राज्य सरकार की सख्ती के बाद मामले में जांच तेज हो गई है। सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जबकि एसटीएफ ने 11 दिसंबर को लखनऊ के मवैया रोड से अभिषेक शर्मा और शुभम शर्मा को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी मूल रूप से सहारनपुर के निवासी बताए जाते हैं। ईडी की कार्रवाई जारी है और एजेंसी अवैध कारोबार से जुड़े वित्तीय लेन-देन, नेटवर्क और संभावित अंतरराज्यीय कड़ियों की जांच कर रही है।

सदन में उठी झांसी एयरपोर्ट की मांग

सांसद अनुराग शर्मा ने बुंदेलखंड के विकास के लिए बताया अनिवार्य

झांसी। शीतकालीन सत्र के दौरान झांसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा ने एक बार फिर झांसी एयरपोर्ट निर्माण का मुद्दा मजबूती से लोकसभा में उठाया। सांसद इससे पूर्व भी कई बार सरकार से इस परियोजना को प्राथमिकता देने का अनुरोध कर चुके हैं। सदन में अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य के साथ बुंदेलखंड के व्यापक और संतुलित विकास के लिए एयर कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में झांसी सहित उत्तर प्रदेश के संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र में कोई एयरपोर्ट न होने के कारण आमजन को यात्रा और आपात परिस्थितियों में भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

झांसी के लिए हवाई अड्डा अनिवार्यदर्ज हैं 16 मुकदमे

सांसद ने आगे बताया कि प्रदेश और केंद्र सरकार द्वारा बुंदेलखंड में औद्योगिक विकास के कई बड़े प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं, लेकिन इनके प्रभावी संचालन और विस्तार के लिए हवाई संपर्क अनिवार्य है। एयरपोर्ट निर्माण से औद्योगिक निवेश, पर्यटन, व्यापार और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण गति मिलेगी। अनुराग शर्मा ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि झांसी एयरपोर्ट से जुड़ी सभी लंबित प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा किया जाए

फैक्ट्री में ऊंचाई से गिरे वर्कर की हुई मौत

नोएडा। थाना फेस- 3 क्षेत्र में स्थित एक प्रतिष्ठित कंपनी में काम करने के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में ऊंचाई सेगिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस- 3 के प्रभारी निरीक्षक पुनीत कुमार ने बताया कि 40 वर्षीय जाकिर नाम का व्यक्ति हल्दीराम की फैक्टरी में काम करता था। कल देर रात काम करते समय जाकिर ऊंचाई से संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गए। उन्हें अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन उपचार के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कोई शिकायत आने पर पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी देखे जा रहे हैं।

व्यापार जगत

यूरोपीय बाजारों में लगातार खरीदी का रुझान

ग्लोबल मार्केट से मिले मजबूत संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आज मजबूती का रुख देखने को मिला है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में मिले-जुले भाव के साथ बंद हुए, जबकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। यूरोपीय बाजार में लगातार खरीदारी का रुझान देखा गया और एशियाई बाजारों में भी अधिकांश सूचकांक हरे निशान में बने हुए हैं। अमेरिकी बाजार में एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,901 अंक पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक 0.26 प्रतिशत गिरकर 23,591.84 अंक पर रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 48,823.71 अंक पर कारोबार कर रहे हैं।

एशियाई बाजार में खरीदी का दबदबा

एशियाई बाजारों में नौ में से आठ सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स मात्र 0.04 प्रतिशत गिरकर 3,871.78 अंक पर रहा। वहीं गिफ्ट निफ्टी 100 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत बढ़कर 26,126 अंक पर पहुंचा। मुख्य एशियाई सूचकांकों की बात करें ताइवान वेटेड इंडेक्स: 0.36% बढ़त, 28,124.94 अंक, हैंग सेंग इंडेक्स: 1.40% उछाल, 25,892 अंक, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स: 1.22% बढ़त, 4,575.90!

687.26 अरब डालर पर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार, स्वर्ण भंडार में तेजी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.033 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर पर पहुँच गया। इससे पहले पिछले सप्ताह समग्र भंडार 1.877 अरब डॉलर घटकर 686.227 अरब डॉलर था।

विदेशी मुद्रा भंडार के प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां, इस दौरान 151 मिलियन डॉलर घटकर 556.88 अरब डॉलर रह गईं। इसमें डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी प्रमुख मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का असर शामिल है।

इस बीच, स्वर्ण भंडार में तेजी दर्ज की गई। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण का मूल्य 1.188 अरब डॉलर बढ़कर 106.984 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (SDR) 93 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.721 अरब डॉलर और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में भारत की आरक्षित स्थिति 97 लाख डॉलर घटकर 4.675 अरब डॉलर रह गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी मुद्रा भंडार में यह बढ़ोतरी रुपये की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में स्थिरता के संकेत देती है।

24 कैरेट सोना 1,30,910 रुपए प्रति तोला

सर्राफा बाजार में सोना-चांदी की चमक बढ़ी

नई दिल्ली। देश के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों के भाव में तेजी का रुख बना रहा। 24 कैरेट सोना आज 1,30,760 रुपये से 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम (प्रति तोला) के स्तर पर बिक रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,860 रुपये से 1,20,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रही है। चांदी की चमक भी बढ़ी और दिल्ली सर्राफा बाजार में यह 2,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

प्रमुख शहरों में सोने के भाव

सोने की कीमतों की बात करें तो दिल्ली: 24 कैरेट सोना 1,30,910 रुपये, 22 कैरेट 1,20,010 रुपये प्रति 10 ग्राम, मुंबई: 24 कैरेट सोना 1,30,760 रुपये, 22 कैरेट 1,19,860 रुपये, अहमदाबाद: 24 कैरेट 1,30,810 रुपये, 22 कैरेट 1,19,910 रुपये, चेन्नई: 24 कैरेट 1,30,760 रुपये, 22 कैरेट 1,19,860 रुपये, कोलकाता: 24 कैरेट 1,30,760 रुपये, 22 कैरेट 1,19,860 रुपये, भोपाल: 24 कैरेट 1,30,810 रुपये, 22 कैरेट 1,19,910 रुपये, लखनऊ: 24 कैरेट 1,30,910 रुपये, 22 कैरेट 1,20,010 रुपये, पटना: 24 कैरेट 1,30,810 रुपये, 22 कैरेट 1,19,910 रुपये और जयपुर: 24 कैरेट 1,30,910 रुपये, 22 कैरेट 1,20,010 रुपये के भाव बिका।

चांदी के भाव ने बनाया नया रिकॉर्ड

दो दिन में 9,100 रुपए प्रति किलो का उछाल

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में तेजी लगातार जारी है। पिछले 48 घंटों में इस कीमती धातु के दाम में 9,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक का उछाल आया है, जिसके चलते चांदी नए उच्च स्तर पर पहुंच गई है। गुरुवार को देशभर के विभिन्न सर्राफा बाजारों में चांदी 2,00,900 रुपये से 2,09,100 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में कारोबार करती दिखाई दी। दिल्ली में चांदी की कीमत मामूली गिरावट के साथ 2,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर दर्ज की गई। मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी कीमतें 2,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास रहीं। जयपुर, सूरत और पुणे में भाव 2,01,200 रुपये प्रति किलो रहे, जबकि बेंगलुरु में चांदी 2,01,400 रुपये पर कारोबार करती दिखी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी

कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव दत्ता के अनुसार वैश्विक बाजार में तेज मांग के कारण चांदी की कीमतों में और तेजी की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 60 डॉलर प्रति औंस से ऊपर निकलकर गुरुवार को 62.81 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। उद्योगों में बढ़ती खपत के चलते दत्ता का अनुमान है कि कीमतें आने वाले दिनों में 70 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती हैं।

कोयला नीलामी के लिए नई नीति और कोपरा MSP तय

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इनमें कोयला और कृषि क्षेत्र से जुड़े अहम निर्णय शामिल हैं।

कैबिनेट के ये निर्णय कोयला क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ किसानों की आय में सुधार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। CoalSETU विंडो से कोयला व्यापार में सरलता आएगी, जबकि बढ़ा हुआ कोपरा MSP किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाएगा।

कैबिनेट ने कोयला लिंकेज की नीलामी के लिए नई नीति को मंजूरी दी है, जिसे कोल सेतु (CoalSETU) विंडो नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य कोयले का उपयोग तेज, पारदर्शी और कुशल तरीके से सुनिश्चित करना है। नई नीति के तहत कोयले का इस्तेमाल औद्योगिक गतिविधियों और निर्यात दोनों के लिए किया जा सकेगा।

किसानों के लिए बड़ी राहत, कोपरा MSP तय

कैबिनेट ने 2026 सीजन के लिए कोपरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) भी तय किया। अच्छी गुणवत्ता वाले मिलिंग कोपरा का MSP 12,027 रुपये प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा का MSP 12,500 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है।

पिछले सीजन की तुलना में यह मिलिंग कोपरा के लिए 445 रुपये और बॉल कोपरा के लिए 400 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी है। इससे नारियल उगाने वाले किसानों को बेहतर आय सुनिश्चित होगी और कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। कैबिनेट ने बताया कि

यह निर्णय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नारियल उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

वैभव सूर्यवंशी बने सिक्सर किंग

- बिहार के समस्तीपुर के 14 साल के वैभव ने पहले ही मुकाबले में ठोका तूफानी शतक
- यूथ वनडे की एक पारी में छक्कों का बनाया कीर्तिमान
- भारत ने यूएई को 234 रन से हराकर किया शाही आगाज

अंडर-19 एशिया कप

एजेंसी । दुबई

बिहार के समस्तीपुर के 14 साल के क्रिकेट वैभव सूर्यवंशी यूथ क्रिकेट में एक के बाद एक रिकॉर्ड अपने नाम करते जा रहे हैं। इस खब्बू बल्लेबाज का बल्ला खूब आग उगल रहा है। शुक्रवार को उन्होंने अंडर-19 एशिया कप के पहले ही मुकाबले में छक्कों का कीर्तिमान बना दिया। उन्होंने 14 छक्के जड़कर ऑस्ट्रेलिया के माइकल हिल (12) का 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने यूएई के खिलाफ 95 गेंदों में 171 रन की तूफानी पारी खेल दी। उनकी इस तूफानी पारी से भारतीय टीम ने यूएई को 234 रन से धोकर शाही आगाज किया।

टीम का सबसे बड़ा स्कोर

सूर्यवंशी ने आरोन जॉर्ज (69) के साथ दूसरे विकेट के लिए 212 और विहान मल्होत्रा (69) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी भी निभाई। इनके अलावा अभिज्ञान कुंडू ने नाबाद 32 और वेदांत त्रिवेदी ने 38 और कनिष्क चौहान ने 28 रन का योगदान दिया। इससे भारतीय टीम छह विकेट पर 433 रन बनाकर अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने कप्तान आयुष म्हात्रे (4) का विकेट तीसरे ही ओवर में मात्र आठ विकेट पर गंवा दिया था।

छक्कों का अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी

सूर्यवंशी इस दौरान यूथ वनडे में छक्कों का अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर भी बने। वह अब तक 12 मैचों में 57 छक्के और 59 चौके जड़ चके हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक और तीन अर्धशतक जड़े हैं और 50 से अधिक की औसत से 727 रन बना चुके हैं। सूर्यवंशी अपनी पारी के दौरान सिर्फ सात रन से अंबाति रायुडू का भारत की ओर से सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने से चूक गए। रायुडू ने अगस्त 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ 177 रन की नाबाद पारी खेली थी। यह यूथ वनडे में पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

युवा वनडे की एक पारी में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले

छक्के खिलाड़ी टीम बनाम वर्ष

14 सूर्यवंशी भारत यूएई 2025
12 माइकल हिल ऑस्ट्रेलिया नामीबिया 2008
11 चिराग सिमोन ऑस्ट्रेलिया केन्या 2002
10 शहजैब खान पाकिस्तान भारत 2024

वैभव ने पारी में ऐसे बनाए रन

50 रन 30 गेंदों में
100 रन 56 गेंदों में
150 रन 84 गेंदों में
171 रन 95 गेंदों में

नौ गेंदबाज आजमाए पर नहीं कर पाए यूएई को आउट

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की टीम सात विकेट पर 199 रन ही बना पाई। एक समय 53 रन पर उसकी आधे से ज्यादा टीम पवेलियन लौट चुकी थी। उसके बाद आठवें नंबर पर उतरे उदिश सूरी (78 नाबाद) ने पृथ्वी मधु (50) के साथ सातवें विकेट के लिए 85 और सालेह अमीन (20) के साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन जोड़कर टीम को ऑलआउट नहीं होने दिया। भारत ने नौ गेंदबाज आजमाए।

नंबर गेम

212 रन जोड़े सूर्यवंशी ने जॉर्ज के साथ दूसरे विकेट के लिए निभाई जो भारत की ओर से इस विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी

171 रैन की पारी खेली सूर्यवंशी ने 95 गेंदों में जो भारत की ओर से युवा वनडे में दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है

26 छक्कों के साथ वैभव ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट सर्वाधिक छक्के लगाने का दरवेश रसूली (22) का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया

विनेश फोगाट ने संन्यास से वापसी की

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को संन्यास से वापसी का ऐलान करते हुए साफ कहा कि अब उनका पूरा ध्यान 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतने पर है। 31 वर्षीय विनेश ने बताया कि उनका जुनून, जोश और मुकाबले की आग आज भी वैसी ही है। पेरिस ओलंपिक में वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण स्वर्ण पदक मुकाबले से अयोग्य ठहराया जाना उनके करियर का सबसे बड़ा झटका था। खेल पंचाट से भी राहत न मिलने के बाद वह टूट गईं और राजनीति की राह पकड़ लीं, जहां वह हरियाणा के जुलाना से विधायक चुनी गईं।

> लॉस एंजिलिस ओलंपिक का सफर मैं नई ऊर्जा, निडरता और दृढ़ संकल्प के साथ शुरू करूंगी। इस बार मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा भी मेरा 'छोटा चीयरलीडर' बनकर मेरे साथ रहेगा और मुझे प्रेरित करेगा।
> **- विनेश फोगाट**

आत्मचिंतन और नई शुरुआत

सोशल मीडिया पर जारी अपने भावनात्मक संदेश में विनेश ने लिखा कि पेरिस की घटना के बाद वह मानसिक रूप से बेहद थक चुकी थीं और खेल एवं दबाव से दूरी चाहती थीं। सालों बाद उन्हें पहली बार सन्नाटे में खुद को समझने का मौका मिला। इसी आत्मचिंतन ने एहसास कराया कि उनके भीतर खेल के लिए प्यार अब भी जिंदा है। इसी दौरान वह मां बनीं और जुलाई में बेटे को जन्म दिया। विनेश ने कहा कि मन के शांत होने पर उन्हें महसूस हुआ कि उनका जुनून कभी खत्म नहीं हुआ था, बस हालात के शोर में दब गया था। अनुशासन और संघर्ष की वही ताकत आज भी उनके भीतर उतनी ही गहरी है।

2028 ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतना लक्ष्य

तीन बार ओलंपिक खेल चुकी विनेश पहले ही भारतीय महिला कुश्ती का इतिहास रच चुकी हैं। पेरिस में वह स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में दो-दो स्वर्ण जीत चुकीं विनेश अब करियर के नए अध्याय में प्रवेश कर चुकी हैं। उ

न्यूज ब्रीफ

डफी के पंजे में फंसा वेस्टइंडीज, नौ विकेट से हारा

वेलिंगटन। जैकब डफी ने करियर और सीरीज में दूसरी पार पांच विकेट चटकाए। सिर्फ तीन टेस्ट खेलने वाले 31 साल के इस तेज गेंदबाज की कहर बरपाती गेंदों के सामने दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 128 रन पर ढ़ेर हो गई। न्यूजीलैंड को जीत के लिए मात्र 56 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने दस ओवर में एक विकेट पर 57 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली और यह 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के चक्र में उसकी पहली जीत है। वहीं, वेस्टइंडीज को सात मैचों में यह छठी हार है और उसे अभी भी अपनी पहली जीत का इंतजार है। डफी ने 38 रन देकर पांच विकेट जबकि माइकल रे ने तीन विकेट चटकाए। दूसरी पारी में वेस्टइंडीज के सिर्फ चार बल्लेबाज—कैवेम हॉज (35), जस्टिन ग्रीव्स (25), ब्रेंडन किंग (22) और जॉन कैंपबेल (14)—दोहरे अंक तक पहुंच पाए। सुबह उन्होंने दो विकेट पर 32 रन से आगे खेलना शुरू किया और केवल 96 रन जोड़कर बाकी आठ विकेट गंवा दिए। न्यूजीलैंड ने छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान टॉम लैथम (9) का विकेट खोया, लेकिन डेवोन कॉन्वे (28*) और केन विलियम्सन (16*) ने टीम को आसान जीत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर अजेय रही भारतीय हॉकी टीम

स्टेलनबोश। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीकी दौरे के अपने अंतिम मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 4-1 से पराजित किया। बुधवार को खेले गए इस मैत्री मैच में भारत के लिए सुखजीत सिंह, अमित रोहिदास, हार्दिक सिंह और मनदीप सिंह ने गोल किए। भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए अपने दौरे का समापन किया। हरमनप्रीत सिंह की टीम ने इससे पहले दो टेस्ट मुकाबलों में से एक में जीत और एक में ड्रॉ खेला था। पहले टेस्ट मैच में शिलानंद लाकड़ा, आदित्य अर्जुन लालगे और अमित रोहिदास के गोल की बदौलत 5-2 से जीत दर्ज की। फिर दूसरे टेस्ट में हरमनप्रीत के दो गोल से मुकाबला 2-2 से बराबर करवाया।

टीम इंडिया डब्ल्यूटीसी में छठे स्थान पर खिसकी

श्रीलंका-न्यूजीलैंड संयुक्त तीसरे, पाकिस्तान पांचवें पर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज पर जीत दर्ज करते हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) की तालिका में संयुक्त तीसरे स्थान पर छलांग लगा ली है। इस जीत ने न केवल कीवी टीम की स्थिति मजबूत की, बल्कि भारत की रैंकिंग पर भी बड़ा असर डाला। पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 की हार के कारण भारतीय टीम पहले ही पांचवें स्थान पर खिसक गई थी। अब न्यूजीलैंड के उभार के बाद भारत एक और पायदान नीचे जाकर छठे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर मजबूती से बना हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज है।

अंक प्रतिशत के आधार पर श्रीलंका और न्यूजीलैंड अब 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान 50 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। न्यूजीलैंड की बढ़त ने तालिका में प्रतिस्पर्धा को और रोचक बना दिया है। वहीं भारत का जीत-हार प्रतिशत गिरकर 48.15 पर आ गया है, जिससे उसकी स्थिति और कमजोर हुई है। इंग्लैंड अगर एशेज में मजबूत वापसी करता है, तो भारत पर सातवें स्थान तक फिसलने का खतरा मंडरा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया एशेज की पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है, और इंग्लैंड की वापसी की संभावना भारत की डब्ल्यूटीसी स्थिति को और प्रभावित कर सकती है।

बॉलीवुड

फिल्म रिव्यू : 'किस किसको प्यार करूं 2' रेटिंग : ★★★

रिश्तों की उलझन और हास्य का मजेदार मिश्रण

मेघा पटैरिया

कॉमेडी की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाने वाले कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटे। उनकी नई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और दर्शक उम्मीद लगाए बैठे थे कि क्या यह सीक्वल भी पहली फिल्म की तरह हंसी का तड़का लगा पाएगा। 2015 में आई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' का अगला भाग है, जिसमें कपिल ने अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से लोगों का दिल जीत लिया था।

इस बार भी कहानी उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो प्यार को बदलने की चीज नहीं बल्कि निभाने की जिम्मेदारी मानते हैं। प्रेम और रिश्तों की इसी उलझन में फंसकर उनके जीवन में कई हास्यास्पद हालात पैदा होते हैं। फिल्म में स्थितियां जितनी उलझी हुई हैं, उतनी ही मजेदार भी हैं और यही दर्शकों को लगातार हंसाती रहती हैं।

कहानी में तर्क कम और मनोरंजन ज्यादा है, लेकिन कॉमेडी फिल्मों के दर्शक अक्सर यही अपेक्षा लेकर थिएटर जाते हैं। कपिल शर्मा एक बार फिर अपने चिर-परिचित अंदाज में दिखते हैं। बेहतरीन पंच और चेहरे पर मासूमियत लिए हुए अभिनय। यही वजह है कि कई दृश्यों में वे अकेले ही सिनेमाघर का माहौल हल्का कर देते हैं।

फिल्म रिव्यू : 'किस किसको प्यार करूं 2'
डायरेक्टर : अनुकल्प गोस्वामी
एक्टर: कपिल शर्मा, मनजोत सिंह, त्रिधा चौधरी, आयशा खान, पारुल गुलाटी, हीरा वरीना, सुशांत सिंह, विपिन शर्मा, जेमी लीवर
स्टार : 3

फिल्म में हीरा वरीना, त्रिधा चौधरी, आयशा खान और पारुल गुलाटी अपनी-अपनी भूमिकाओं में सहज नजर आती हैं। इनके किरदार कहानी को आगे बढ़ाते हैं और हास्य स्थितियों को और रंगीन बनाते हैं। सुशांत सिंह और मनजोत सिंह की मौजूदगी भी कॉमिक एंगल को मजबूती देती है। दोनों कलाकार अपने अंदाज से दर्शकों को हंसी के नए पल देते हैं। निर्देशक अनुकल्प गोस्वामी ने फिल्म को हल्का-फुल्का और मनोरंजक बनाकर पेश किया है। उनका फोकस कहानी की गंभीरता पर नहीं, बल्कि मनोरंजन पर है। शायद यही वजह है कि फिल्म में कई दृश्य ऐसे आते हैं जिनमें लॉजिक गायब है, लेकिन मनोरंजन की मात्रा भरपूर मिलती है।

आजकल सिनेमाघरों में एक्शन और भारी-भरकम कंटेंट का दौर है, ऐसे में यह फिल्म एक सरल और हंसी से भरा विकल्प बनकर आती है। परिवार या दोस्तों के साथ देखी जाए तो इसका मजा और बढ़ जाता है।

फिल्म एक ऐसी कॉमेडी फिल्म है, जिसे दिमाग घर पर रखकर देखा जाए तो यह निराश नहीं करती। कपिल शर्मा के फैंस के लिए यह फिल्म खास तोहफा है और हल्के-फुल्के मनोरंजन के शौकीनों के लिए एक अच्छा विकल्प है।

'स्ट्रीट फाइटर' से विद्युत जामवाल की पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार वजह है उनका धमाकेदार हॉलीवुड डेब्यू। लंबे समय से चर्चा में बनी हुई फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत की पहली झलक आखिरकार सामने आ गई है। निर्माताओं द्वारा जारी किया गया उनका लुक इतना चौंकाने वाला है कि पहली नज़र में उन्हें पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। यह ट्रांसफॉर्मेशन विद्युत की समर्पणशीलता और एक्शन के प्रति उनके जुनून को एक बार फिर साबित करता है।

2026 में होगी ग्रैंड रिलीज

विद्युत जामवाल ने सोशल मीडिया पर अपना 'स्ट्रीट फाइटर' लुक शेयर करते हुए लिखा, ₹अपनी सीमाओं से आगे बढ़ें। विद्युत जामवाल धल्सिम हैं।₹ यह साफ है कि फिल्म में वह प्रतिष्ठित कैरेक्टर धल्सिम की भूमिका निभा रहे हैं, जो दशकों से गेमिंग दुनिया के लोकप्रिय किरदारों में से एक रहा है। फिल्म की कहानी 1987 में लॉन्च हुए कैपकॉम के मशहूर वीडियो गेम स्ट्रीट फाइटर से प्रेरित है। इस हाई-ऑक्टेन हॉलीवुड फिल्म का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है और इसे 16 अक्टूबर 2026 को रिलीज़ किया जाएगा। विद्युत के फैंस के लिए यह किसी बड़े तोहफे से कम नहीं, क्योंकि वह पहली बार किसी वैश्विक फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनते नज़र आएंगे। विद्युत जामवाल को आखिरी बार 2024 में रिलीज़ हुई उनकी एक्शन फिल्म 'क्रैक : जीतेगा तो जिएगा' में देखा गया था। अब 'स्ट्रीट फाइटर' के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई छलांग लगा दी है, जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है।

'बॉर्डर 2' के पोस्टर में दिखे चार फौजी

'बॉर्डर 2' को लेकर दर्शकों में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। मेकर्स ने अब फिल्म का नया पोस्टर जारी कर इस उत्साह को और दोगुना कर दिया है। पोस्टर में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी एक साथ फौजी अवतार में नजर आ रहे हैं। चारों कलाकारों का दमदार और गहन लुक साफ बता रहा है कि इस बार पर्दे पर एक और भव्य वॉर ड्रामा देखने को मिलने वाला है।

फिल्म से जुड़े सूत्रों और बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, 'बॉर्डर 2' का टीज़र विजय दिवस, यानी 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा। यह दिन साल 1971 में पाकिस्तान पर भारत की ऐतिहासिक जीत का प्रतीक है, ऐसे में टीज़र रिलीज़ के लिए इससे बेहतर दिन कोई हो ही नहीं सकता। मेकर्स ने भी आधिकारिक तौर पर इस तारीख की पुष्टि कर दी है। यह भी खास है कि धर्मेंद्र के निधन के बाद यह पहला मौका होगा जब सनी देओल किसी बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में नज़र आएंगे। ऐसे में टीज़र लॉन्च इवेंट भावनात्मक और यादगार दोनों होने वाला है। सनी देओल की यह बहुप्रतीक्षित वॉर ड्रामा फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। 'बॉर्डर' जैसी कल्ट फिल्म की सीक्वल होने के कारण दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही आसमान पर हैं, और पोस्टर ने इन उम्मीदों को एक बार फिर मजबूत कर दिया है। 'बॉर्डर 2' में एक शक्तिशाली कहानी के साथ देशभक्ति, एक्शन, भावनाओं और बड़े स्टारकास्ट का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा, जिससे यह फिल्म नए साल की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक बन सकती है।

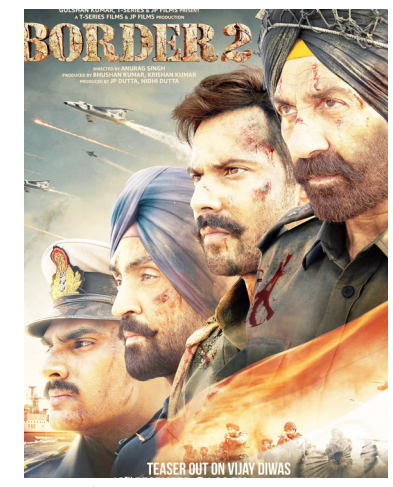

धमाकेदार पोस्टर्स के साथ सामने आया 'राहु केतु' का कॉस्मिक अवतार

टीज़र और इसके कैची गाने से दर्शकों में उत्सुकता बढ़ाने के बाद, ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस ने अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के बहुप्रतीक्षित पोस्टर्स आधिकारिक रूप से रिलीज़ कर दिए हैं। नए पोस्टर्स रंगों की चमक, ऊर्जा के उफान और एक बेबाक विज़ुअल टोन के साथ फिल्म की दुनिया को बड़े जीवंत अंदाज़ में पेश करते हैं। पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे इसमें अपने-अपने किरदारों में पहली बार नज़र आ रहे हैं, और उनकी उपस्थिति कहानी के अनोखे टोन को साफ़ झलकाती है। पोस्टर्स में तीनों कलाकारों की पहली झलक सामने आते ही फिल्म का टोन साफ हो जाता है। पुलकित सम्राट अपने कॉन्फिडेंट और एनर्जेटिक लुक में नज़र आ रहे हैं, वरुण शर्मा अपनी नैचुरल अनप्रेडिक्टेबिलिटी और कॉमिक टाइमिंग से ध्यान खींचते हैं, जबकि शालिनी पांडे अपनी फ्रेश और सादगीभरी मौजूदगी से पोस्टर को एक अलग ही चमक देती हैं।

यह तिकड़ी मिलकर एक ऐसे कॉस्मिक एडवेंचर का संकेत देती है जहां हर कदम पर अप्रत्याशित मोड़ छिपे हैं, जहां प्लान लड़खड़ाते हैं, हालात अचानक करवट लेते हैं, और हर एक्शन एक नई, वाइल्ड चेन रिएक्शन को जन्म देता है। विपुल गर्ग के निर्देशन में बनी 'राहु केतु' एक ऐसे कॉस्मिक केपर का एहसास कराती है, जहाँ ग्रहों की चालें कहानी में उतार-चढ़ाव लाती हैं, किस्मतें आमने-सामने टकराती हैं और ब्रह्मांड की अनोखी शरारतें घटनाओं की दिशा बदल देती हैं। हल्के-फुल्के अराजकता और मज़ेदार परिस्थितियों से भरी यह फिल्म दर्शकों को लगातार बांधे रखती है और उन्हें एक ऊर्जावान, मनोरंजक सफर पर ले जाती है। ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस के संयुक्त प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म अपने नए पोस्टर्स के साथ पहले ही सुर्खियों में है, और दर्शकों में इसे लेकर उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। 'राहु केतु' 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

हजारों करोड़ का बजट, दो चरण और जाति भी शामिल

एक व्यक्ति की जनगणना पर 97 रुपए आएगा खर्च

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत सरकार ने 11,718 करोड़ रुपये की लागत से देश की 2027 की जनगणना कराने को हरी झंडी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह जनगणना भारत की अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक और सांख्यिकीय कवायद होगी। यह 16वीं जनगणना और आजादी के बाद आठवीं जनगणना होगी। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाने का फैसला किया है, ताकि डेटा तेज, सुरक्षित और ज्यादा भरोसेमंद तरीके से इकट्ठा किया जा सके। सरकार के मुताबिक जनगणना दो चरणों में होगी। पहले चरण में हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना होगी। ये अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच होगी। वहीं, दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना होगी। ये फरवरी 2027 में होगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख जैसे बर्फबारी वाले इलाकों के लिए यह गणना सितंबर 2026 में की जाएगी। जनगणना की रेफरेंस डेट एक मार्च 2027 की आधी रात रखी गई है, जबकि बर्फीले क्षेत्रों के लिए यह एक अक्तूबर 2026 है।

- केंद्र ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ मंजूर किए
- पहली बार डिजिटली होगा सेंसस

इस बार होगी डिजिटल जनगणना

सरकार ने साल 2027 की जनगणना को देश की पहली डिजिटल जनगणना बनाने की तैयारी पूरी कर ली है। मोबाइल एप के जरिए डेटा इकट्ठा किया जाएगा। ऐप हिंदी, अंग्रेजी और सभी प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। इसके अलावा सेंसस मॉनिटरिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएमएस) नाम का एक केंद्रीय पोर्टल बनाया गया है, जो पूरी प्रक्रिया की रियल टाइम निगरानी करेगा। हर घर और इलाके का जियो-टैगिंग भी किया जाएगा, ताकि रिकॉर्ड बिल्कुल सटीक रहे।

जाति आधारित गणना भी शामिल

राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने जाति आधारित डाटा को भी जनगणना में शामिल करने का फैसला किया है। यह पहली बार होगा कि जाति की गणना को पूरी तरह डिजिटल माध्यम से शामिल किया जाएगा। इससे सामाजिक और आर्थिक योजनाओं के निर्माण में सटीक और व्यापक डेटा मिलेगा। सरकार का कहना है कि भारत जैसे विविधता वाले देश में जाति संबंधी जानकारी सार्वजनिक योजनाओं की टारगेटिंग और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

30 लाख कर्मियों की होगी तैनाती

जनगणना 2027 में करीब 30 लाख फील्ड कर्मचारी लगाए जाएंगे। इनमें एन्यूमरेटर, सुपरवाइजर, मास्टर ट्रेनर और कई तकनीकी कर्मचारी शामिल होंगे। यह जनगणना अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल ऑपरेशन होगा। इस दौरान लगभग 1.02 करोड़ मानव-दिन का रोजगार भी पैदा होगा। फील्ड में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को उनके नियमित काम के अलावा यह अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी जाएगी और इसके लिए मानदेय भी तय किया गया है।

घर-घर जाकर होगा डिजिटल सर्वे

जनगणना करने वाले गणनाकार (एन्यूमरेटर), जो आमतौर पर सरकारी शिक्षक होते हैं, अपने टैबलेट या मोबाइल ऐप में घर-घर जाकर सभी जानकारी दर्ज करेंगे। हर घर का लोकेशन, सुविधाएं, परिवार के सदस्यों की शिक्षा, भाषा, धर्म, रोजगार, विकलांगता, प्रवासन और अन्य जरूरी विवरण रिकॉर्ड किए जाएंगे। ऐप में डाले जाने वाले डेटा की सुरक्षा के लिए विशेष तकनीकी फीचर जोड़े गए हैं, ताकि कोई डेटा लीक या गड़बड़ी न हो।

लोग खुद भी भर सकेंगे फॉर्म

सरकार इस बार लोगों को स्वयं-गणना यानी सेल्फ इन्यूमरेशन का विकल्प भी देगी। लोग मोबाइल एप या वेब पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी खुद भी भर सकेंगे। इससे प्रक्रिया तेज होगी और सिस्टम का भार कम होगा। जिन लोगों के पास मोबाइल या इंटरनेट नहीं है, उनके लिए फील्ड कर्मचारी घर-घर जाकर डेटा दर्ज करेंगे।

जनगणना का आर्थिक प्रभाव

सरकार ने कहा है कि डिजिटल जनगणना से डेटा बेहद तेज और विश्वसनीय तरीके से उपलब्ध होगा। यह डेटा सेंसस-एस-ए-सर्विस (सीएएएस) के रूप में मंत्रालयों और राज्यों को दिया जाएगा, ताकि एक क्लिक में जानकारी मिल सके। इसमें डैशबोर्ड, ग्राफ और मशीन रीडेबल फॉर्मेट शामिल होंगे। इससे योजनाओं को लागू करने में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी क्षेत्र की जरूरत के अनुसार तुरंत फैसले लिए जा सकेंगे।

सरकार ने बताया जनगणना क्यों जरूरी?

सरकार का कहना है कि जनगणना देश की विकास योजनाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार है। इससे पता चलता है कि देश में कितने लोग, किस जगह, किस हालात में, किन सुविधाओं के साथ रहते हैं। इसका उपयोग पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी सभी योजनाओं में किया जाता है। यही डेटा लोकसभा, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत क्षेत्रों के आरक्षण और परिसीमन के लिए भी जरूरी है। भारत में आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। 2021 की जनगणना कोविड महामारी के कारण स्थगित करनी पड़ी थी। अब 2027 में यह प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियम 1990 इस काम की कानूनी आधारशिला हैं।

अली तौकीर शेख मामले में एसआईटी नहीं खोल पाई पूरी परतें

केंद्रीय एजेंसी करेंगी आगे की जांच

एजेंसी । गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को दो बड़े मामलों पर महत्वपूर्ण बयान दिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख मामले को जल्द ही केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपा जाएगा। वहीं, जुबिन गर्ग मौत मामले में एसआईटी ने लगभग 12,000 पन्नों की चार्जशीट अदालत में दायर कर दी है।

अब केंद्रीय जांच एजेंसी करेगी आगे की जांच

सीएम सरमा ने कहा कि केस में काफी जटिलताएं हैं, इसलिए राज्य की SIT अकेले पूरी सच्चाई सामने नहीं ला पाएगी। उन्होंने कहा जुबिन गर्ग केस के नियमित ट्रायल शुरू होते ही हम अली तौकीर शेख मामले को केंद्रीय एजेंसी को ट्रांसफर कर देंगे। महीने के अंत तक हम कुछ दस्तावेज भी सार्वजनिक करेंगे। अली तौकीर शेख के कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी से कथित लिंक की बात सामने आने के बाद मामला राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील बन गया है। बता दें कि विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में एसआईटी ने औपचारिक रूप से 10 सितंबर को मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंप दी। रिपोर्ट मिलने के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा था कि राज्य सरकार इसकी विस्तार से जांच करेगी और इसे सार्वजनिक करने से पहले मंत्रिमंडल के समक्ष चर्चा के लिए रखेगी।

असम के सीएम ने किया था ये दावा

सरमा ने पहले दावा किया था कि एसआईटी ने पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख की नापाक गतिविधियों में एक ब्रिटिश नागरिक जिसने एक भारतीय सांसद से शादी की है की संलिप्तता स्थापित की है। उन्होंने दावा किया था कि जांच से यह भी पता चलता है कि कैसे पाकिस्तान सरकार के गृह मंत्रालय ने असम के एक सांसद की अपने देश में यात्रा को सुगम बनाया। गोगोई ने पूर्व में दावा किया था कि मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए आरोप बॉलीवुड की किसी सी-ग्रेड फिल्म की तरह हैं, जो फ्लॉप हो जाएगी क्योंकि असम के लोग सब कुछ समझते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

ग्राम पंचायत चुनावों में कांग्रेस को सर्वाधिक सीट

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारुढ़ कांग्रेस ने ग्राम पंचायत चुनावों के पहले चरण में सबसे ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज की है। राज्य चुनाव आयोग ने शुक्रवार को तीन चरण में संपन्न ग्राम पंचायत चुनावों के पहले चरण के परिणामों की घोषणा की। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की है। उसके बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। निर्दलीय उम्मीदवारों ने करीब 455 सरपंच पदों पर जीत हासिल की है। चुनाव आयोग ने 3347 उप सरपंचों के चुनाव नतीजों की भी घोषणा की। ग्राम पंचायत चुनाव के दूसरे और तीसरे चरण के चुनाव 14 और 17 दिसंबर को होंगे।

राहुल गांधी ने की प्रदूषण की समस्या को लेकर चर्चा की मांग, सरकार तैयार

नई दिल्ली। विशेष संवाददाता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों के वायु प्रदूषण की चपेट में आने का मुद्दा शुक्रवार को लोकसभा में उठाया। उन्होंने इस मुद्दे पर सदन में विस्तृत चर्चा करने के साथ सरकार से इस समस्या से निपटने के लिए एक योजना सामने रखने की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने इस पर सहमति जताते हुए कहा सदन की कार्यमंत्रणा समिति में चर्चा का स्वरूप व समय तय किया जाएगा। लोकसभा में शून्यकाल की शुरूआत में ही विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह विषय उठाया।

पोंजी स्कीम ठगी मामले में 17 करोड़ की संपत्ति कुर्क

शिलांग। पोंजी स्कीम ठगी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को मेघालय में 17.81 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की है। कुर्क की गई संपत्तियों में 13 अचल और सात चल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें कई लग्जरी कारें भी बताई जा रही हैं। मामले में ईडी 'पर्लवाइन इंटरनेशनल' नामक योजना चलाने वाले आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल कर चुकी है। ईडी के अनुसार, खुद को गलत तरीके से अमेरिका की कंपनी के रूप में पेश करने वाली पर्लवाइन इंटरनेशनल ने आकर्षक योजनाओं का लालच देकर निवेश कराने शुरू किए। कंपनी ने न्यूनतम 2,250 रुपये की सदस्यता राशि ली और 2018 से मार्च 2023 तक पूरे देश में पोंजी नेटवर्क चलाया। संचालकों ने निवेश जुटाने के लिए देशभर में सेमिनार भी आयोजित किए और 2022 में दावा किया कि उनके भारत और विदेशों में 80 लाख से अधिक सदस्य हैं। इसने द्वारा निवेशकों के 395.35 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप है।

जस्टिस स्वामीनाथन के समर्थन में उतरे 56 पूर्व जज

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के 56 पूर्व न्यायाधीशों ने मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग नोटिस को न्यायिक स्वतंत्रता के लिए अनुचित और खतरनाक बताया है। पूर्व न्यायाधीशों ने महाभियोग नोटिस का विरोध करते हुए खुला पत्र लिखा है और सांसदों से इस मुहिम को रोकने की अपील की है। कुछ विपक्षी सांसदों की ओर से संसद में यह नोटिस पेश किया गया है। पूर्व न्यायाधीशों ने एक बयान में कहा कि यह समाज के एक विशेष वर्ग की वैचारिक और राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप न चलने वाले न्यायाधीशों को धमकाने का एक घिनौना प्रयास है। यदि ऐसे प्रयास को आगे बढ़ने दिया गया, तो यह हमारे लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की नींव को ही हिला देगा। यहां तक कि यदि हस्ताक्षरकर्ता सांसदों की ओर से बताए गए कारणों को पूरी तरह मान भी लिया जाए, तो भी वह महाभियोग चलाने के लिए पर्याप्त गंभीर नहीं है, क्योंकि महाभियोग का कदम केवल दुर्लभतम और अत्यंत गंभीर मामलों में ही उठाया जाना चाहिए।

महाभियोग प्रस्ताव को बताया न्यायिक स्वतंत्रता के लिए खतरनाक

पूर्व जजों ने बताया आपातकाल जैसा

पूर्व जजों ने जनता को याद दिलाया है कि आपातकाल के दौरान भी इसी तरह का राजनीतिक दबाव देखा गया था। तब कुछ न्यायाधीशों को कानून का पालन करने के लिए दंडित किया गया था। इसके बावजूद, न्यायपालिका ने हमेशा स्वतंत्र बने रहने के लिए संघर्ष किया है। पूर्व न्यायाधीशों के अनुसार, यह कोई एक बार की घटना नहीं है। हाल के वर्षों में, जस्टिस दीपक मिश्र, जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोबड़े और जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ जैसे पूर्व मुख्य न्यायाधीशों के साथ-साथ वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत पर भी तब हमले किए गए या उन्हें बदनाम करने के प्रयास किए गए।

जजों को नियंत्रित करने का प्रयास करार दिया

पूर्व न्यायाधीशों का कहना है कि महाभियोग का नोटिस कानूनी आलोचना नहीं, बल्कि न्यायाधीशों को नियंत्रित करने के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि महाभियोग का उद्देश्य न्यायपालिका की रक्षा करना है, न कि न्यायाधीशों को किसी विशेष तरीके से व्यवहार करने के लिए धमकाना। यह लोकतंत्र विरोधी है और यदि ऐसी कार्रवाइयां जारी रहीं, तो उन्हें आशंका है कि आज एक न्यायाधीश को निशाना बनाया गया है, कल पूरी संस्था कमजोर हो सकती है। पूर्व न्यायाधीशों ने सभी दलों के सांसदों, वकीलों, नागरिक समाज और आम नागरिकों से इस कदम का विरोध करने और इसे शुरू में ही रोकने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि न्यायाधीशों को केवल अपनी शपथ और संविधान के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

बांग्लादेश में पहला चुनावी कत्ल

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव की घोषणा के साथ ही राजनीतिक तनाव तेज होता दिख रहा है। इसी बीच शनिवार को ढाका में पहली राजनीतिक हत्या की खबर ने पूरे देश की सियासत को हिला दिया। ढाका-8 सीट से संभावित उम्मीदवार और इकबाल मंच के प्रमुख चेहरों में शामिल उस्मान हादी की चुनाव प्रचार के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात ढाका के इकबाल मंच परिसर के पास हुई जहां हादी दोपहर करीब 2 बजे भाषण दे रहे थे। स्थानीय मीडिया 'प्रथम आलो' की रिपोर्ट के अनुसार, भाषण के दौरान अचानक बाइक पर आए दो हमलावरों ने हादी पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि हादी के सिर में कई गोलियां मारी गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया।

शेख हसीना के विरोधी उस्मान हादी की दिनदहाड़े हत्या

देशभर में 18 लाख एकड़ रक्षा भूमि में से 11,152 एकड़ पर अतिक्रमण

केंद्र सरकार का संसद में खुलासा

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि देशभर में फैली लगभग 18 लाख एकड़ रक्षा भूमि में से करीब 11,152 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण हो चुका है। यह जानकारी रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में दी। देशभर में रक्षा मंत्रालय से यह जानकारी मांगी गई थी कि कुल रक्षा भूमि में से कितनी जमीन खाली है, कितनी अवैध कब्जे में है और कितनी कानूनी विवादों में फंसी हुई है। सरकार ने बताया कि कुल 18 लाख एकड़ रक्षा भूमि में से 11,152 एकड़ पर अतिक्रमण है, जबकि 8,113 एकड़ जमीन कानूनी विवादों में चल रही है। इसके अलावा 45,906 एकड़ भूमि को अतिरिक्त श्रेणी में रखा गया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि रक्षा भूमि का उपयोग केवल सैन्य गतिविधियों, रणनीतिक जरूरतों, प्रशिक्षण, सुरक्षा और आवास निर्माण जैसी आवश्यकताओं के लिए किया जाता है।

45,906 एकड़ अतिरिक्त जमीन अन्य विभागों को ऑफर

सरकार ने बताया कि लगभग 45,906 एकड़ जमीन सेना की जरूरत से अधिक है। इसकी जानकारी अन्य केंद्रीय मंत्रालयों को दी गई है, ताकि वे अपनी जरूरत के अनुसार इन भूमि हिस्सों की मांग कर सकें। लगभग 8,113 एकड़ भूमि विभिन्न कानूनी विवादों में फंसी हुई है। इनमें जमीन के मालिकाना हक, सरकारी दस्तावेज, पुरानी अधिग्रहण प्रक्रियाओं और स्थानीय दावों से संबंधित मामले शामिल हैं।

क्या ग्रामीण समुदायों पर प्रभाव का आकलन हुआ?

सरकार से पूछा गया कि रक्षा भूमि अधिग्रहण या बेदखली अभियानों के दौरान ग्रामीणों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया गया है या नहीं। जवाब में कहा गया ऐसा कोई आकलन नहीं किया गया है। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया कि निजी जमीन का अधिग्रहण होने पर 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के अनुसार उचित मुआवजा और पुनर्वास दिया जाता है।

गायक जुबीन गर्ग मौत मामला

एसआईटी ने दायर की चार्जशीट

चार आरोपियों पर हत्या का आरोप

एजेंसी । नई दिल्ली

असम के प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग की संदिग्ध मौत मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने कामरूप मेट्रो के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी है। वरिष्ठ अधिवक्ता बिजन महाजन ने बताया कि 3,500 पन्नों की चार्जशीट में बड़ी कार्रवाई करते हुए सात गिरफ्तार व्यक्तियों में से चार पर धारा 103 (भारतीय न्याय संहिता - बीएनएस) के तहत हत्या का आरोप लगाया गया है।

5-10 साल की सजा हो सकती है

हत्या के आरोपितों में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकानू महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, ड्रमर शेखरज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत शामिल हैं। अगर आरोप सिद्ध होता है तो बीएनएस की धाराओं के तहत मौत की सजा या उम्रकैद तक हो सकती है। वहीं जुबीन के चचेरे भाई और निलंबित एपीएस अधिकारी संदीपान गर्ग पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किया गया है। इस धारा में अपराध की प्रकृति के अनुसार उम्रकैद से लेकर 5-10 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इसी के साथ, गायक को सुरक्षा प्रदान करने वाले दोनों पीएसओ परेश बैश्य और नंदेश्वर बोरा पर आपराधिक विश्वासघात के आरोप लगाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केरल हाईकोर्ट के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें मुनंबम की 404 एकड़ जमीन को वक्फ के रूप में अधिसूचित करने को केरल वक्फ बोर्ड की लैंड-ग्रैबिंग रणनीति बताया गया था। कोर्ट ने साफ निर्देश दिया कि विवादित जमीन पर यथास्थिति बनी रहे। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट द्वारा राज्य सरकार को जमीन के स्वामित्व की जांच के लिए आयोग नियुक्त करने की अनुमति देने वाले आदेश पर रोक नहीं लगाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को नोटिस जारी किया है और जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट को इस जमीन के स्वरूप पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं था, क्योंकि यह मामला पहले से ही वक्फ ट्रिब्यूनल के पास लंबित है। बेंच ने कहा हाईकोर्ट अपने अधिकार क्षेत्र से काफी आगे चला गया।

जम्मू-कश्मीर में शीतलहर से जन-जीवन अस्त-व्यस्त

- श्रीनगर, पुलवामा, शोपियां में तापमान शून्य से नीचे पहुंचा
- पंजाब और हरियाणा में भी तापमान में भारी गिरावट

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड ने जन-जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.4 डिग्री कम रहा। काजीगुंड, कुपवाड़ा और कोकरनाग समेत कई शहरों में भी तापमान हिमांक बिंदु से नीचे पहुंच गया है।

पुलवामा सबसे ठंडा स्थान

दक्षिण कश्मीर का पुलवामा प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका बना, जहां पारा शून्य से 5.5 डिग्री नीचे रहा। पहलगाम में तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में रात का तापमान शून्य डिग्री तक पहुंच गया। शोपियां में भी पारा 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में शुष्क मौसम के चलते सर्दी, खांसी और फ्लू जैसी बीमारियों में तेजी देखी जा रही है। डॉक्टरों ने बच्चों और बुजुर्गों को घर में रहने और एहतियात बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार 13 से 17 दिसंबर तक ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। पंजाब और हरियाणा के कई जिलों में तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री रहा। अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, बठिंडा और फरीदकोट समेत अधिकांश स्थानों पर पारा 5 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

लोकसभा | 2024-25 में केवल 18 मौतें दर्ज, जबकि दस साल की अवधि में 904 मौतें हुई

देश में रेल हादसे में आई 90 प्रतिशत की कमी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में रेल दुर्घटनाओं में पिछले एक दशक में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। रेलवे के आधुनिकीकरण और सुरक्षा पर बढ़े फोकस का असर अब स्पष्ट दिख रहा है। रेल मंत्रालय ने लोकसभा में बताया कि 2024-25 में ट्रेन दुर्घटनाओं में केवल 18 मौतें हुईं, जबकि 2004-05 से 2013-14 के बीच दस वर्षों में 904 मौतें दर्ज हुई थीं।

दुर्घटनाओं के आंकड़ों में ऐतिहासिक सुधार

रेल मंत्रालय के अनुसार, 2014-15 में जहां 135 दुर्घटनाएं हुई थीं, वहीं 2024-25 में यह संख्या घटकर 31 रह गई। 2004 से 2014 के दौरान कुल 1711 हादसे हुए, यानी औसत 171 प्रतिवर्ष। इसके मुकाबले 2025-26 में नवंबर 2025 तक केवल 11 दुर्घटनाएं हुईं, जो भारतीय रेल के सुरक्षा इतिहास की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कवच तकनीक बनी रेल सुरक्षा की रीढ़

रेलवे का दावा है कि दुर्घटनाएं कम होने में स्वदेशी कवच तकनीक की भूमिका सबसे अहम रही। यह तकनीक ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, सिग्नल ओवेरन रोकने और ट्रेन टक्कर रोकने में बड़ी मददगार है। कवच सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में लागू किया जा रहा है, जिसके भविष्य में और बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद है।

ब्लैक स्पॉट पर गश्त और कोहरा सुरक्षा उपकरण

संसद को दी गई जानकारी में मंत्रालय ने बताया कि रेलवे के ब्लैक स्पॉट और संवेदनशील खण्डों पर नियमित गश्त बढ़ाई गई है। रेलकर्मी, आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस मिलकर गश्ती कर रहे हैं। कोहरा प्रभावित क्षेत्रों में लोको पायलटों को जीपीएस बेस्ड कोहरा सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं।